पटना ● शनिवार, 23 नवंबर 2024 मूल्यः 5:00, पृष्ठः 8 वर्षः 5, अंकः309 www. bordernewsmirror@gmail.com 9471060219, 9470050309

BORDER NEWS MIRROR BNM to the point...

राष्ट्रीय द्विभाषिक समाचार पत्र

RNI N.- BIHBIL/2022/88070

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

किशोर किशोरी सम्मेलन का हुआ ... 3 www. bordernewsmirror.com ये काली काली आंखें सीजन 2.. 7

'एफआईआर' नहीं बन सकती है सरकारी नौकरी में कोई बाधा

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने केरल हाई कोर्ट के उस फैसले को बरकरार रखा है जिसमें कहा गया था कि केवल आपराधिक केस दर्ज होने की बुनियाद पर सरकारी नौकरी देने से इनकार नहीं किया जा सकता। जस्टिस पीएमस नरसिम्हा और जस्टिस मनोज मिश्रा की बेंच ने 14 नवंबर के हाई कोर्ट के फैसले के खिलाफ केरल सरकार की याचिका खारिज कर दी।

इससे पहले सुप्रीम कोर्ट ने हाई कोर्ट के फैसले पर रोक लगाई थी। बेंच ने कहा कि हाई कोर्ट ने परिस्थितियों को देखते हुए ही यह फैसला सुनाया है। ऐसे में हाई कोर्ट के फैसले में दखल देने की कोई जरूरत नहीं है। हाई कोर्ट ने सितंबर 2023 में फैसला सुनाते हुए कहा था कि किसी उम्मीदवार के चरित्र और रिकॉर्ड की जांच करते वक्त केवल आरोपों और

- सुप्रीम कोर्ट का बड़ा निर्णय, बरकरार रखा केरल हाईकोर्ट का फैसला
- कहा-केवल आपराधिक केस दर्ज होने पर नहीं कर सकते हैं नौकरी देने से इनकार

एफाईआर दर्ज होने की बुनियाद पर ही उसे अयोग्य नहीं घोषित किया जा सकता। जस्टिस ए मुहम्मद मुस्ताक और शोभा अन्नम्मा इपने की डिविजन बेंच ने यह फैसला सुनाया था। इस फैसले में यह भी कहा गया था कि किसी आपराधिक मामले में बरी होने के बाद भी सेवा में स्वतः ही शामिल होने का अधिकार नहीं मिल जाता है। हाई कोर्ट ने केरल प्रशासनिक न्यायाधिकरण के आदेश के खिलाफ राज्य सरकार की अपील पर यह फैसला सुनाया गया था। केएटी ने राज्य सरकार से कहा था कि एक शख्स के साथ आप ऐसा नहीं कर सकते हैं।

सरकार बनी नहीं और सीएम फेस को लेकर खींचतान

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र में कल 23 नवंबर को विधानसभा चुनाव के नतीजे आने वाले हैं। ऐसे में इस बात पर सियासत गरमा गई है कि अगला मुख्यमंत्री कौन होगा। बारामती में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के मुखिया अजित पवार को भावी

सीएम बताए जाने वाले पोस्टर लगाए गए हैं। अजित बारामती से ही विधानसभा चुनाव लड़ रहे हैं। वहीं महाविकास अघाड़ी खेमे में भी सीएम फेस को लेकर संघर्ष शुरू हो गया है। महाराष्ट्र कांग्रेस चीफ नाना पटोले ने घोषणा की कि अगर एमवीए को बहुमत मिलता है तो उनका सीएम होगा।

सर्द हवाओं से दिल्ली और राजस्थान में छूटी कंपकंपी

सावधान ! कश्मीर में -16 डिग्री तक गिरा तापमान

नई दिल्ली (एजेंसी)। मौसम तेजी से करवट ले रहा है। उत्तर भारत समेत देश के कई हिस्सों में ठंड बढ़ती जा रही है। हल्की ठंडी हवाएं तो अब सुबह और शाम के वक्त कंपकंपी छुड़ाने लगी हैं। राष्ट्रीय राजधानी नई दिल्ली में शुक्रवार सुबह धुंध छाई रही और न्यूनतम तापमान 11.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। वायु गुणवत्ता 'बेहद खराब' श्रेणी में बनी रही और वायु गुणवत्ता सूचकांक 373 दर्ज किया गया। दिल्ली के 38 निगरानी केंद्रों में से 9 में एक्यूआई 'गंभीर' श्रेणी में दर्ज किया गया। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के आंकड़ों के मुताबिक, ये केंद्र आनंद विहार, बवाना, जहांगीरपुरी, मुंडका, नेहरू नगर, शादीपुर, सोनिया विहार, विवेक विहार और वजीरपुर हैं। 400 या इससे अधिक एक्यूआई को 'गंभीर' श्रेणी में माना जाता है और इससे स्वास्थ्य को गंभीर खतरा हो सकता है। दिल्ली की वायु गुणवत्ता रविवार को पहली बार 'अत्यंत गंभीर' श्रेणी को पार कर गई, जिसके बाद सोमवार सुबह ग्रेडेड रेस्पांस एक्शन प्लान (ग्रैप) के तहत चरण चार के प्रतिबंध लागू किए गए।

राजस्थान में भी सर्दी ने धीरे-धीरे असर दिखाना शुरू कर दिया है। प्रदेश के लगभग सभी जिलों में ठंडी हवाएं चल रही हैं जिससे लोगों की कंपकंपी छूटने लगी है।

पॉल्यूशन पर दिल्ली सरकार की कोशिशों से संतुष्ट नहीं एससी

3 दिन और सख्ती की जानी चाहिए

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में बढ़ते प्रदूषण पर शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। शीर्ष अदालत ने दिल्ली सरकार को इस मामले में फटकार लगाई है। कोर्ट सुनवाई के दौरान सरकार के दिए हलफनामे से भी संतुष्ट नहीं दिखा। कोर्ट ने ग्रैप-4 के दो बिंदुओं पर भी असंतुष्टता जताई है। इसके अलावा अदालत ने एंट्री प्वाइंट्स पर भी सवाल उठाया है। कोर्ट ने दिल्ली सरकार को निर्देश दिया है कि वह सभी 113 बिंदुओं पर तुरंत चेकपॉइंट स्थापित करें। सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली में भयानक रूप ले रहे प्रदूषण पर आज चिंता व्यक्त करते हुए कुछ दिशानिर्देश दिए हैं। कोर्ट ने कहा कि वे दिल्ली में प्रवेश के सभी 113 बिंदुओं पर तुरंत चेकपॉइंट स्थापित करें। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि प्रवेश बिंदुओं पर तैनात कर्मियों को आवश्यक वस्तुओं के अंतर्गत स्वीकार्य वस्तुओं के बारे में स्पष्ट रूप से जानकारी दी जानी चाहिए।

सुकमा में मुठभेड़ में मारे गए 10 नक्सली

- छत्तीसगढ़ में नक्सलियों के खिलाफ बड़ा ऐक्शन
- सभी के शव और तीन ऑटोमैटिक हथियार बरामद

जगदलपुर (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले में सुरक्षाबलों ने 10 नक्सलियों को मार गिराया है। मौके से सभी के शव और 3 ऑटोमैटिक हथियार बरामद किए गए हैं। भेज्जी के दंतेसपुरम, कोराजुगुड़ा, नागाराम के जंगल में डीआरजी और सीआरपीएफ की कोंटा और किस्टाराम एरिया कमेटी के नक्सलियों के साथ मुठभेड़ हुई।

इलाके में सर्चिंग जारी है। इस साल 1 जनवरी से 22 नवंबर तक 207 नक्सली मारे गए हैं। बस्तर आईजी सुंदरराज पी ने कहा कि इस मुठभेड़ में एके-47, इंसास, और कारतूस समेत अन्य हथियार भी बरामद किए गए हैं।

सुकमा के एसपी किरण चव्हाण ने इसे बड़ी सफलता बताया। जवान मौके पर ही हैं। लौटेंगे तो ज्यादा जानकारी मिलेगी।

सुरक्षाबलों को सूचना मिली थी कि भेज्जी के जंगल में नक्सलियों का जमावड़ा है। इसके बाद जवानों को रवाना किया गया, जहां नक्सलियों से मुठभेड़ हो गई। एक दिन पहले ही भारी संख्या में नक्सली ओडिशा के रास्ते बॉर्डर में घुसे थे। इस दौरान ओडिशा पुलिस के साथ मुठभेड़ भी हुई थी। इसमें एक नक्सली मारा गया था, वहीं एक जवान घायल हुआ था। इसके बाद छत्तीसगढ़ फोर्स अलर्ट पर थी।

ओडिशा और गरियाबंद से सटे उदंती अभ्यारण्य जंगल में गुरुवार को भी पुलिस-नक्सली मुठभेड़ हुई थी। नक्सलियों की मौजूदगी की अमाड़ के जंगलों में पहुंचते ही नक्सलियों ने फायरिंग शुरू कर दी।

जवानों ने भी मुहतोड़ जवाब दिया। दबाव बनते देख नक्सली भाग खड़े हुए।

सीएम के काफिले के सामने काले झंडे दिखाना अवैध नहीं

विरोध करने का यह सामान्य तरीका केरल हाईकोर्ट की दो टूक

कोच्चि (एजेंसी)। केरल की वाम सरकार को झटका देते हुए यहां उच्च न्यायालय ने कहा कि मुख्यमंत्री के काफिले के समक्ष काले झंडे लहराना कोई गैरकानूनी कृत्य नहीं है और यह मानहानि के समान नहीं है। न्यायमूर्ति बी कुरियन थॉमस का फैसला महत्वपूर्ण है क्योंकि पिछले साल राज्य सरकार के जनसंपर्क कार्यक्रम 'नव केरल सदास' के दौरान मुख्यमंत्री पिनराई विजयन को काले झंडे दिखाने के लिए कई युवा कांग्रेस कार्यकर्ताओं को पुलिस कार्रवाई का सामना करना पड़ा था। न्यायमूर्ति थॉमस ने कहा, ''हालांकि दृष्टिगोचर होने वाले संकेत किसी व्यक्ति को बदनाम करने का एक तरीका हो सकते हैं।

बड़ा खतरा ! दलाल के सहारे भारत पहुंचे बांग्लादेशी

नौकरी की तलाश में की घुसपैठ, त्रिपुरा से 12 गिरफ्तार

अगरतला (एजेंसी)। त्रिपुरा के तेलियामुरा रेलवे स्टेशन पर शुक्रवार को 12 बांग्लादेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया गया, जिनमें चार महिलाएं और चार बच्चे शामिल हैं। ये लोग काम की तलाश में राज्य से बाहर जाने की कोशिश कर रहे थे। रेलवे पुलिस और बॉर्डर सिक्योरिटी फोर्स (बीएसफ) की संयुक्त चेकिंग के दौरान इन्हें पकड़ा गया। तेलियामुरा सरकारी रेलवे पुलिस स्टेशन के एक अधिकारी ने बताया कि गिरफ्तार लोग यह नहीं बता सके कि वे त्रिपुरा में सिलाचरी या गोमती जिले के करबुक क्षेत्र में क्यों घुसे थे। इन लोगों ने बांग्लादेश के एक दलाल की मदद से राज्य में प्रवेश किया। अब इन्हें अदालत में पेश किया जाएगा। त्रिपुरा में पिछले कुछ समय से बांग्लादेशी नागरिकों और रोहिंग्या शरणार्थियों की घुसपैठ के मामलों

में कई गिरफ्तारियां हुई हैं। हाल ही में गोमती जिले में छह बांग्लादेशी नागरिकों को पकड़ा गया, जिनमें चार नाबालिग थे। ये लोग चेन्नई जाने की तैयारी में थे। पिछले हफ्ते भी बीएसएफ, रेलवे पुलिस और राज्य पुलिस ने पश्चिम त्रिपुरा जिले में भारत-बांग्लादेश अंतरराष्ट्रीय सीमा के पास एक इंसानी तस्कर को गिरफ्तार किया था। त्रिपुरा में इंसानी तस्करी के मामलों में लगातार बढ़ोतरी देखी जा रही है। बांग्लादेश के साथ 856 किलोमीटर की सीमा साझा कर रहे त्रिपुरा में सीमा सुरक्षा को मजबूत किया गया है। मुख्यमंत्री डॉ. माणिक साहा ने हाल ही में सुरक्षा एजेंसियों के शीर्ष अधिकारियों के साथ बैठक कर सीमा पर सतर्कता बढ़ाने और घुसपैठ रोकने के सख्त निर्देश दिए थे। हालांकि, त्रिपुरा की अधिकांश सीमा पर कांटेदार तार की बाड़ लगाई गई है, लेकिन कई हिस्से अब भी बाड़ से मुक्त हैं। इन हिस्सों पर स्थानीय विवादों के चलते बाड़ लगाने का काम अधूरा है। यही कारण है कि घुसपैठ और इंसानी तस्करी के मामले सामने आ रहे हैं। सुरक्षा एजेंसियों की सख्ती और संयुक्त प्रयासों के चलते हाल ही में कई बांग्लादेशी नागरिक गिरफ्तार हुए हैं।

अगर भीड़ ने फिर हमला किया तो अब देंगे जवाब

मणिपुर के मंत्री ने कहा-संपत्ति की रक्षा करना संवैधानिक हक है

इंफाल (एजेंसी)। मणिपुर के फूड और पब्लिक डिस्ट्रीब्यूशन मिनिस्टर एल सुसींद्रो मैतेई ने अपने घर को कंटीले तारों और लोहे के जाल से घेर दिया है। उन्होंने कहा कि 3 मई से अब तक मेरे घर पर 3 बार हमला हुआ है। अगर उपद्रवी मेरे घर पर हमला करते हैं तो अपनी जिंदगी और प्रॉपर्टी की रक्षा करना हमारा संवैधानिक अधिकार है। 16 नवंबर को उपद्रवियों ने 3 मंत्रियों और 9 विधायकों के घर हमला किया था। इनमें सुसींद्रो का घर भी शामिल था। वाहनों में आग लगाई और फायरिंग भी

की थी। सुसींद्रो ने मणिपुर हिंसा के बीच अपने घर पर वेपंस ड्रॉप बॉक्स बनाया था, ताकि उपद्रवी लूटे हुए हथियारों का वहां समर्पण कर सकें। हालांकि, एक बार फिर हमलावर उनके घर से हथियार लूट ले गए हैं। 3000 लोगों ने घर पर हमला किया था- सुसींद्रो सुसींद्रो ने बताया,16 नवंबर को मेरे घर पर उपद्रवी आए, उनके पास इलेक्ट्रिक ड्रिल और हथौड़े थे। वे लूटपाट करने के लिए आए थे। मैं उस दिन घर पर नहीं था। दोपहर में बड़ी संख्या में महिलाएं और बुजुर्ग आए थे। उन्होंने मेरे परिवार से बात की और फिर चले गए। शाम साढ़े छह बजे करीब 3 हजार लोगों की भीड़ आई, इनमें ज्यादातर पुरुष थे। उन्होंने मेरे घर पर गोलियां दागीं। भीड़ को कोई नुकसान नहीं पहुंचना चाहिए।

नहीं माने अमेरिका-ब्रिटेन तो उन पर भी कर देंगे हमला

यूक्रेन की मदद पर भड़के रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन, दी चेतावनी

मास्को (एजेंसी)। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने अमेरिका और ब्रिटेन पर हमले की धमकी दे दी है। यूक्रेन रूस के खिलाफ अमेरिका और ब्रिटेन की मिसाइलों का इस्तेमाल कर रहा है। ऐसे में रूस ने भी धमकी दी है कि वह इन देशों के खिलाफ बलिस्टिक मिसाइल का इस्तेमाल करेगा। रिपोर्ट्स के मुताबिक टीवी पर संबोधन के दौरान पुतिन ने कहा कि जो लोग यूक्रेन की मदद कर रहे हैं, उनपर भी बड़ा हमला किया जाएगा। उन्होंने कहा कि आम नागरिकों को सुरक्षित स्थानों पर ले जाने की चेतावनी पहले ही जारी कर दी जाएगी। पुतिन ने टेलीविजन पर प्रसारित अपने संबोधन में कहा कि बृहस्पतिवार को यूक्रेन पर किया गया रूसी हमला, इस हफ्ते की शुरुआत में अमेरिकी और ब्रिटिश मिसाइलों से रूसी क्षेत्र पर किये गए यूक्रेन के हमलों के जवाब में किया गया। उन्होंने चेतावनी दी कि अमेरिकी वायु रक्षा प्रणाली रूसी मिसाइलों को रोकने में सक्षम नहीं होगी। यूक्रेन ने गुरुवार को दावा किया कि रूस ने रात में उसके एक शहर पर अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइल दागी। वहीं, अमेरिकी अधिकारियों ने कहा है कि प्रारंभिक आंकलन से संकेत मिलता है कि यह हमला मध्यम दूरी की बैलिस्टिक मिसाइल से किया गया था।

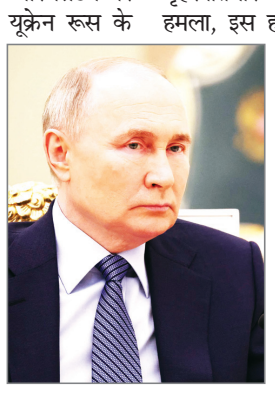

टूटे प्लास्टर से झांकते 'हिंदू' खंभे, 'जाली' शिलालेख

संभल (एजेंसी)। वाराणसी की ज्ञानवापी मस्जिद और मथुरा की शाही ईदगाह मस्जिद विवाद को लेकर कोर्ट में मामला चल ही रहा है। इसी बीच संभल की जामा मस्जिद के भी मंदिर होने का दावा कर दिया गया है। कोर्ट के आदेश के बाद संभल की इस मस्जिद का सर्वे भी किया जा चुका है, जिसके बाद प्रदेश में सांप्रदायिक सियासत एक बार फिर से गरमा गई है। हिंदू पक्ष दावा कर रहा है कि जामा मस्जिद प्राचीन हरिहर मंदिर थी, जहां पर कलियुग में विष्णु के दशावतारों में से एक कल्कि का अवतार होने वाला है। वहीं, मुस्लिम पक्ष इस दावे को सिरे से खारिज कर रहा है। संभल जिले में सदियों से खड़ी जामा मस्जिद को लेकर पहले भी कई बार दावा किया गया था कि यह हिंदू मंदिर है। हिंदू पक्ष का दावा है कि मुगल बादशाह बाबर ने इस मस्जिद को मंदिर तोड़कर बनवाया था। वहीं, मुसलमान कहते हैं कि बाबर ने इस मस्जिद को बनवाया ही नहीं था।

काम लकीर का फकीर बनकर नहीं हो सकता है

सीएम योगी बोले-पहले भर्ती निकलते ही महाभारत के रिश्ते भी निकल पड़ते थे

लखनऊ (एजेंसी)। काम लकीर का फकीर बनकर नहीं हो सकता है। अक्सर होता है कि सरकारी नौकरी पाने के बाद अपने दायित्व का निर्वहन करने में विफल होता है। यह शब्द सीएम योगी आदित्यनाथ ने वन विभाग में चयनित वन दरोगा को नियुक्ति पत्र विरतरित करते हुए कहे। सीएम योगी आदित्यनाथ ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा- मुझे प्रसन्नता है कि वन विभाग को 701 वन दरोगा मिल रहे हैं।

- **ग्लोबल वार्मिंग दुनिया के लिए एक चुनौती-** सीएम योगी ने कहा- मेरे लिए प्रसन्नता का क्षण है कि 701 में से 140 महिलाएं नियुक्त हुई है। यह दिखाता है कि हमने जो लक्ष्य तय किया था कि 20 फीसदी महिला नियुक्त होने चाहिए उसके आसपास नियुक्ति महिलाओं की हो रही है। इस जीवन के लिए सबसे बड़ी चुनौती पर्यावरण बन चुका है। दुनिया और देश का हर व्यक्ति चिंतित है जो जीवन और पर्यावरण के बारे में सकारात्मक भाव रखता है।

संक्षिप्त समाचार

शराब के साथ पांच तस्कर गिरफ्तार

मुजफ्फरपुर, एजेंसी। थाना क्षेत्र के सोन्धो अंधारीगाछी गांव में बुधवार देर रात पुलिस ने छापेमारी कर तीस लीटर देसी शराब के साथ धर्मेंद्र पासवान, लखींद्र राम, नरेश पासवान, राजेश साह, सनोज सिंह को गिरफ्तार किया है। अपर थानाध्यक्ष प्रशांत कुमार ने बताया कि सूचना मिली थी कि कुछ लोग अंधारीगाछी गांव में देसी शराब बनाकर बेचते हैं। वहां पहुंचने पर पुलिस गाड़ी देखकर सभी भागने लगे, जिसे खदेड़कर पकड़ लिया गया। थानाध्यक्ष रौशन कुमार ने बताया कि सभी को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

ट्रांसफॉर्मर में आग लगने से मची अफरातफरी

भागलपुर, एजेंसी। थाना के समीप एक ट्रांसफॉर्मर में अचानक आग लग गई। जिसके कारण वहां पर अफरातफरी का माहौल बन गया। लोगों ने आग बुझाने के लिए काफी मशक्कत की, लेकिन बिजली रहने के कारण किसी को भी आग बुझाने की हिम्मत नहीं हुई। इसके बाद आग लगने की सूचना ग्रामीणों ने विद्युत कार्यालय को दी। गुरूवार की रात आग लगते ही ट्रांसफॉर्मर के समीप स्थित झोपड़ी की दुकान पर बैठे लोग भाग खड़े हुए। सूचना मिलने पर विभाग द्वारा बिजली आपूर्ति बंद कर दी गई। जिसके बाद कुछ हद तक आग कम हुई। आग पर समय पर काबू नहीं पाया जाता तो बड़ा हादसा हो सकता था। ट्रांसफॉर्मर जलने से इलाके में बिजली आपूर्ति ठप हो गई।

तामिलनाडु की टीम ने जीविका दीदियों से सीखे आर्थिक उन्नति के गुर

गया, एजेंसी। तामिलनाडु राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन (एसआरएलएम) के अधिकारी और संस्थानों के प्रतिनिधियों ने जीविका दीदियों से आर्थिक उन्नति के गुर सीखे। गुरुवार को तामिलनाडु से आयी टीम ने मानपुर और बोधगया में जीविका दीदियों से संवाद किया। दो अलग- अलग समूहों में दोनों प्रखंडों में सामुदायिक संगठन की दीदियों, एसजेवाई लाभार्थियों और सामुदायिक सेवा प्रदाताओं से बात की गई। उनके अनुभव पूछा गया। अत्यंत गरीब परिवारों से जुड़ी लाभार्थियों ने जीवकोपार्जन साधन मिलने से उनके जीवन में आए बदलाव की कहानी सुनायी। बोधगया के सिराजपुर की ममता देवी ने बताया की जीविका और एसजेवाई की मदद से मिली पूंजी से श्रृंगार दुकान और सिलाई से वह सम्मानपूर्वक जीवन जी रहीं हैं। मानपुर की रूबी देवी और ललिता देवी अपने अनुभव साझा किए। बोधगया और मानपुर में आयोजित इमर्शन एंड लर्निंग एक्सचेंज (आईएलई) कार्यक्रम के तहत अधिकारियों ने लाभार्थियों से मिलकर उनसे सीधी बात की और उनके जीवन की कठिनाइयों एवं इससे निपटने में योजना का सहयोग से जुड़े कई सवाल किये। प्रतिनिधियों ने बिहार सरकार की पहल की सराहना करते हुए कहा कि यह मॉडल गरीबी उन्मूलन और ग्रामीण विकास के लिए अन्य राज्यों के लिए प्रेरणादायक है। उन्होंने इस योजना में जीविका एवं बंधन टीम के समन्वय की सरहना की। इस भ्रमण कार्यक्रम में तमिलनाडु एसआरएलएम की अतिरिक्त मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी मुथुमीनल और उनकी टीम के अलावा बीआरएसी, प्रदान , क्रिप्स और बंधन कोन्नगर के प्रतिनिधि शामिल हुए।

नशेड़ियों ने सीएचसी में स्वास्थ्यकर्मियों को पीटा

दरभंगा, एजेंसी। गौड़ाबौराम। किरतपुर स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में नशेड़ियों ने घुसकर स्वास्थ्य कर्मियों के साथ जमकर मारपीट की। नशेड़ियों ने अस्पताल के हेल्थ मनेजर का सिर फोड़ने के साथ अस्पताल के लेखापाल की मीजमकर पिटाई कर दी। नशेड़ियों के हमले से जख्मी हुए हेल्थ मनेजर मनोज कुमार ने बताया कि नशेड़ियों के हमले से अस्पताल में भगदड़ मच गई। अस्पताल के डाक्टर व कर्मचारी इधर-उधर छुपकर अपनी जान बचाई। बुधवार को घटित हुई इस अप्रत्याशित घटना से अस्पताल के डॉक्टर व कर्मचारियों में भय का माहौल कायम हो गया है।

बिहार में अमेरिका के बराबर हाइवे होंगे, चार साल में बदलेगी सूरत

नितिन गडकरी का ऐलान

गया, एजेंसी। अगले चार साल में बिहार की सूरत बदलने वाली है। राज्य में अमेरिका जैसे हाइवे बनेंगे। केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने गुरुवार को गया में इसकी घोषणा की। उन्होंने कहा कि 2029 तक बिहार का नेशनल हाइवे नेटवर्क अमेरिका के बराबर हो जाएगा। गडकरी ने गुरुवार को बोधगया भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) के बिहार में 3700 करोड़ की लागत वाली 6 सड़क परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया।

उन्होंने कहा कि इस प्रोजेक्ट से झारखंड और पश्चिम बंगाल से माल परिवहन आसान होगा तथा बिहार में व्यापार को बढ़ावा मिलेगा। नवादा, गया और जहानाबाद के लोगों को जाम से मुक्ति मिलेगी। झारखंड का पटना, नालंदा और नवादा जिलों से संपर्क बेहतर होगा। कृषि उपज की बड़े बाजारों तक आसान पहुंच होगी, जिससे रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे। उन्होंने बख्तियारपुर-रजौली राष्ट्रीय राजमार्ग पर हसनपुर से बख्तियारपुर तक 4 लेन सड़क का उद्घाटन किया, जिसकी कुल लंबाई 51 किलोमीटर होगी और लागत 3,460 करोड़ रुपये आएगी। साथ ही नालंदा जिले के देवीसराय और बड़ी मठ में 13 करोड़ रुपये की लागत से बने पुलिया और छोटे पुल सहित 3 अन्य स्थानों का उद्घाटन किया। गडकरी ने 257 करोड़ रुपये की लागत से रजौली से हरदिया तक 7 किलोमीटर लंबी 4 लेन सड़क, 174 करोड़ रुपये की लागत से वारिसलीगंज-नवादा रेलवे स्टेशन पर आरओबी, 163 करोड़ रुपये की लागत से चाकंद-गया-दोमुहान 4 लेन सड़क चौड़ीकरण 19 किलोमीटर और 100 करोड़ रुपये की लागत से जहानाबाद-गोल बगीचा 4 लेन सड़क चौड़ीकरण 15 किलोमीटर का शिलान्यास किया।

इथेनॉल उद्योग से होगी बिहार की प्रगति

केंद्रीय मंत्री गडकरी ने कहा कि बिहार में मकई से इथेनॉल बनाने के उद्योग की अपार संभावनाएं हैं, जिससे राज्य आर्थिक रूप से आगे बढ़ सकता है। बिहार और देश की सबसे बड़ी प्राथमिकता विज्ञान और प्रौद्योगिकी के माध्यम से गरीब से गरीब व्यक्ति के जीवन में बदलाव लाना है। रोजगार सृजन तकनीक लाकर ग्रामीण और आदिवासी क्षेत्रों में विकास की गति को बढ़ाना होगा। उन्होंने कहा कि देश तभी समृद्ध होगा जब गांव समृद्ध होंगे। इसके लिए कृषि, बागवानी, डेयरी, मत्स्य पालन आदि का प्रौद्योगिकी आधारित एकीकृत विकास जरूरी है। नितिन गडकरी ने बोधगया के महाबोधि कन्वेंशन सेंटर में मगध विश्वविद्यालय के छात्रों और शिक्षकों को संबोधित करते हुए कहा कि बिहार गौतम बुद्ध की धरती है और विश्व युद्ध के कगार पर खड़ी दुनिया में शांति लाने के लिए बुद्ध के संदेशों की बहुत जरूरत है। शिक्षा का उद्देश्य व्यक्ति को ज्ञानवान और संस्कारवान बनाना है।

अच्छी शिक्षा, माहौल और योग्य शिक्षक के मार्गदर्शन से खराब व्यक्ति भी अच्छा नागरिक बन सकता है। भारत के पास दुनिया की सबसे प्रतिभाशाली युवा जनशक्ति है। हमें पूरा विश्वास है कि हमारे सक्षम युवा मूल्य आधारित जीवन जीकर और विज्ञान और प्रौद्योगिकी का उपयोग करके भारत को आत्मनिर्भर और विश्वगुरु बनाएंगे। इस कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी, राज्यसभा के उप सभापति हरिवंश, उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और विजय कुमार सिन्हा, मंत्री प्रेम कुमार, श्रवण कुमार और सांसद डॉ रविशंकर प्रसाद भी मौजूद रहे।

गलत मंशा से निरीक्षण पर होगी कार्रवाई : डीएम

दरभंगा, एजेंसी। डीएम राजीव रौशन ने गुरुवार को समाहरणालय सभागार में जिला आपूर्ति टास्क फोर्स की बैठक में कई निर्देश दिए। उन्होंने गलत मंशा से निरीक्षण करने वाले प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारियों को चेतावनी देते हुए कहा कि शिकायत मिली तो कार्रवाई की जाएगी। बैठक में डीएम ने प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि ऐसे उपभोक्ता जिनकी मृत्यु हो गयी है, उनका नाम डिलीट करें। डीएम ने राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के पात्र सभी लाभुकों का लाभार्थी सत्यापन (ई-केवाईसी) शत-प्रतिशत कराने को कहा। साथ ही 25 नवंबर तक अनाज वितरण पूर्ण कराने के निर्देश दिए। सभी आधार केंद्रों को सक्रिय करने तथा लंबित राशन कार्ड के लिए आवेदनों का निपटारा करने का निर्देश दिया गया। उन्होंने कहा कि सभी जन वितरण प्रणाली विक्रेताओं की दुकानों पर लाभार्थियों का सत्यापन ई-केवाईसी निःशुल्क किया जाना है। उन्होंने उपभोक्ताओं से भी जल्द से जल्द ई-केवाईसी कराने की अपील की। बैठक में जिला आपूर्ति पदाधिकारी राकेश रंजन, बिरौल एसडीओ उमेश कुमार भारती, बेनीपुर एसडीओ शंभू नाथ झा, जिला प्रबंधक राज्य खाद्य निगम प्रोजेक्ट इंजीनियर एवं संबंधित पदाधिकारी उपस्थित थे।

बहन ले रही थी फेरे, भाई की गोली मारकर हत्या, प्रेमिका की शादी से नाराज था प्रेमी

आरा(भोजपुर), एजेंसी। 16 नवंबर 2024, भोजपुर में बहन की शादी वाले दिन ही उसके भाई राज सिंह की गोली मारकर हत्या कर गई। पुलिस ने मामले की जब जांच की तो पता चला कि बहन के प्रेमी साकेत (24) ने ही उसकी हत्या की है। हालांकि, राज की बहन किम्मी सिंह इस घटना से अनजान थी। अगले दिन बहन की विदाई हो रही थी तो वहीं उसके भाई का पोस्टमॉर्टम हो रहा था। बहन ने जब भाई के बारे में पूछा तो पता चला की उसकी मौत हो चुकी है। पुलिस ने गुरुवार को खुलासा करते हुए बताया कि साकेत पिछले डेढ़ साल से 23 साल के राज की हत्या की प्लानिंग कर रहा था। राज की बहन और साकेत बचपन से एक दूसरे से प्यार करते थे। साकेत आपराधिक छवि का था। इसलिए राज नहीं चाहता था कि बहन की शादी उससे हो, लेकिन साकेत अपनी प्रेमिका से शादी करने के लिए कुछ भी करने को तैयार था। पिछले शनिवार को राज की बहन की शादी थी। दुल्हन समेत पूरे परिवार को स्कॉर्पियो में बैठाकर लॉज के लिए भेज दिया था। बारात भी आ गई थी। राज अपने चाचा के साथ बाइक से विवाह स्थल पर जा रहा था, इसी दौरान रास्ते में साकेत ने 4 अपराधियों के साथ मिलकर कारनामेपुर बस स्टैंड के पास उसकी गोली मारकर हत्या कर दी।

कारनामेपुर थाना इंचार्ज ने वारदात को लेकर दी ये जानकारी : कारनामेपुर थाना इंचार्ज चंदन कुमार से मिली जानकारी के मुताबिक, राज की बहन के साथ साकेत का प्रेम प्रसंग था। साकेत और किम्मी ने स्कूल से लेकर कॉलेज तक की पढ़ाई एक साथ की थी। शादी के एक दिन पहले तक दोनों की आपस में बात हो रही थी। चंदन कुमार ने बताया, साकेत अपनी प्रेमिका की शादी किसी दूसरे से नहीं होने देना चाहता था। जब उसे पता चला कि किम्मी की शादी तय हो गई है, तो उसने राज को धमकी भी दी थी। ये पहली बार नहीं था, जब साकेत ने राज को धमकी दी थी। वारदात के दिन भी सुबह से साकेत अपने अन्य साथियों के साथ मिलकर राज की हत्या के लिए गांव में रेकी किया था।

कोर्ट में मुख्य आरोपी साकेत ने सरेंडर किया, एक अन्य गिरफ्तार : कारनामेपुर थाना इंचार्ज चंदन कुमार ने हत्या में शामिल बक्सर जिले के नैनीजोर थाना क्षेत्र के महुआर गांव के रहने वाले ललन सिंह को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है, जबकि मुख्य आरोपी साकेत कुमार ने आरा कोर्ट में सरेंडर किया है। आत्मसमर्पण करने वाले आरोपी साकेत कुमार को रिमांड पर लेने के लिए कोर्ट में अर्जी दी जाएगी, जिससे हत्या की गुत्थी सुलझ सके।

किम्मी को बिना बताए घरवालों ने कराई शादी : राज अपने एक भाई युवराज, दो बहन आंचल और किम्मी से तीसरे स्थान पर था। मां पम्मी देवी घर में है। किम्मी सिंह की शादी विक्रमगंज के धारुकपुर गांव के रहने वाले प्रकाश सिंह से हो रही थी। पूरा परिवार बारात का स्वागत कर रहा था। इसी बीच दुल्हन की भाई की हत्या हो गई। राज की हत्या के बाद घरवालों ने बिना बताए ही बहन किम्मी की विदाई कर दी।

दहेज के लिए विवाहिता की हत्या का आरोप: बांका में पति की मौत के बाद देवर से की थी शादी

बांका, एजेंसी। बांका जिले के रजौन थाना क्षेत्र में दहेज को लेकर एक महिला की गला दबाकर हत्या करने का मामला सामने आया है। मृतका की पहचान चकरोशन गांव निवासी स्वर्गीय सौरभ कुमार की पत्नी पूजा देवी के रूप में हुई है। घटना गुरुवार रात करीब 11 बजे की बताई जा रही है। सूत्रों के अनुसार, एक साल पहले पूजा देवी के पति सौरभ कुमार की मौत हो गई थी। पति की मृत्यु के बाद, परिवार की सहमति से दो महीने पहले पूजा ने अपने देवर अभिषेक से शादी कर ली थी। शादी के बाद से ही अभिषेक के माता-पिता और परिवार के अन्य सदस्य इस शादी का विरोध कर रहे थे। परिजनों का आरोप है कि ससुराल वाले दहेज में पैसे की मांग कर पूजा पर दबाव बना रहे थे। जब पूजा ने इसका विरोध किया, तो ससुराल वालों ने गला दबाकर उसकी हत्या कर दी। घटना के बाद, मृतका के परिजनों को जब इस बारे में पता चला, तो वे घर पहुंचे और देखा कि पूजा का शव खाट पर पड़ा हुआ था। उनका आरोप है कि पूजा देवी को दहेज के लिए लगातार प्रताड़ित किया जा रहा था। मृतका के परिजन शव को लेकर स्थानीय रजौन थाना पहुंचे और घटना की जानकारी दी। इसके बाद थाना प्रभारी रवि कुमार पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे, लेकिन तब तक ससुराल पक्ष के सभी सदस्य फरार हो चुके थे। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है।

अररिया में पुलिस टीम पर हमला, 3 घायल: बदमाश को गिरफ्तार कर लौटने के दौरान किया अटैक

अररिया, एजेंसी। अररिया के सिमराहा थाना क्षेत्र के औराही पूरब में गुरुवार शाम ग्रामीणों ने पुलिस टीम पर हमला कर दिया। इस घटना में सिमराहा थाना के अपर थानाध्यक्ष इम्तियाज खान, पीटीसी मसूद आलम और चौकीदार संतोष कुमार पासवान घायल हो गए। गंभीर रूप से घायल इम्तियाज खान को फारबिसगंज अनुमंडलीय अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए अररिया सदर अस्पताल रेफर किया गया। सूत्रों ने बताया कि पुलिस को सूचना मिली थी कि ऋषिदेव टोला में अपराध की योजना बनाने के लिए अपराधियों का जमावड़ा हो रहा है। इस पर अपर थानाध्यक्ष इम्तियाज खान के नेतृत्व में पुलिस टीम मौके पर पहुंची। टीम ने एक अपराधी को हिरासत में लेकर वापस लौटने की कोशिश की, लेकिन इसी दौरान ग्रामीणों ने पुलिस टीम पर हमला कर दिया। हमले के दौरान ग्रामीणों ने पुलिसकर्मियों और चौकीदार के साथ मारपीट की और हिरासत में लिए गए अपराधी को छुड़ाकर ले गए। घटनास्थल पर अपनी सुरक्षा में पुलिस ने तीन राउंड फायरिंग भी की।

घायलों का हालचाल जानने पहुंचे अधिकारी

सिमराहा थानाध्यक्ष प्रेम कुमार भारती और फारबिसगंज थानाध्यक्ष राघवेंद्र कुमार सिंह ने अस्पताल पहुंचकर घायलों का हालचाल लिया। प्रेम कुमार भारती ने बताया कि मामले की जांच जारी है और हमलावर ग्रामीणों की पहचान कर उन्हें जल्द गिरफ्तार किया जाएगा। उन्होंने बताया कि घटना को लेकर एफआईआर दर्ज कर ली गई है।

अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए कार्रवाई तेज

पुलिस अधिकारियों ने कहा कि यह घटना अपराधियों के खिलाफ की जा रही कार्रवाई में बाधा डालने का प्रयास है। ग्रामीणों और अपराधियों के इस हिंसक रवैये से क्षेत्र में तनाव व्याप्त हो गया है। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने आगे की कार्रवाई तेज कर दी है।

बिहार बिजनेस कनेक्ट 19 दिसंबर से, 80 देशों के निवेशक आएंगे पटना, पिछले साल 50 हजार करोड़ का हुआ था करार

पटना, एजेंसी। बिहार में निवेशकों की दूसरी समिट की तारीख सामने आ गई है। बिहार बिजनेस कनेक्ट 2024 का आयोजन 19 और 20 दिसंबर को राज्य की राजधानी पटना में होगा। इस दो दिवसीय समारोह में 80 देशों के निवेशक शामिल होंगे। इसके अलावा कई केंद्रीय मंत्री, केंद्रीय मंत्रालयों के सचिव, उद्योग जगत के महारथी भी हिस्सा लेंगे।

बिहार के मुख्य सचिव ने इस संबंध में गुरुवार को समीक्षा बैठक की। इसमें बिहार बिजनेस कनेक्ट-2 को सफल बनाने के लिए सभी विभागों के बीच समन्वय स्थापित करने के निर्देश दिए। बता दें कि पिछले साल भी बिहार बिजनेस कनेक्ट का आयोजन किया गया था, जिसमें विभिन्न देशों के निवेशकों के साथ 50 हजार करोड़ रुपये के निवेश के करार किए गए थे।

बिहार बिजनेस कनेक्ट में रजिस्ट्रेशन के लिए एक आधिकारिक वेबसाइट पहले ही लॉन्च की जा चुकी है। राज्य सरकार के एक अधिकारी ने बताया कि पिछले साल बिजनेस समिट में 3000 लोगों ने रजिस्ट्रेशन कराया था। इस बार 5000 का लक्ष्य रखा गया है। बिहार सरकार की ओर से अब तक 82 देशों को न्योता भेजा गया है। इसके अलावा देश भर के विभिन्न उद्योग संगठनों के

पदाधिकारियों को भी इस समिट में आमंत्रित किया जाएगा। बिहार के उद्योग और पर्यटन मंत्री नीतीश मिश्रा ने निवेशकों को आकर्षित करने के लिए देशभर के विभिन्न शहरों में रोड शो आयोजित किए। इसकी शुरुआत बीते जुलाई महीने में कोलकाता से हुई थी। हाल ही में बिहार के चमड़ा उद्योग ने निवेशकों को आकर्षित किया है। तीन दिन पहले कानपुर में बिहार लेदर निवेशक सम्मेलन का आयोजन किया गया, जिसमें उद्योग जगत के महारथी, नीति निर्माताओं और निवेशकों ने हिस्सा लिया था। बिहार बिजनेस कनेक्ट के जरिए राज्य में कपड़ा, फूड प्रोसेसिंग, ईवी जैसे उभरते सेक्टर में बड़ा निवेश आने की उम्मीद है। इससे राज्य के आर्थिक विकास को गति मिलेगी और रोजगार पैदा होंगे।

बता दें कि पिछले साल भी दिसंबर महीने में बिहार बिजनेस कनेक्ट का आयोजन किया गया था। इसमें कई देशों के निवेशक शामिल हुए थे। 278 कंपनियों ने राज्य में निवेश की इच्छा जताते हुए 50 हजार करोड़ रुपये के एमओयू पर हस्ताक्षर किए थे। उस समय राज्य में महागठबंधन की सरकार थी। तत्कालीन डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव ने इस समिट को सफल करार देते हुए खूब प्रचारित किया था।

बिना ड्रेस-आईडी कार्ड के पोलियो की दवा पिलाने पहुंचे कर्मी को स्कूल प्रबंधक ने लौटाया

गया, एजेंसी। बिना ड्रेस व पहचान पत्र के पोलियो की दवा पिलाने पहुंचे कर्मियों को आमस के सांव टोल प्लाजा के पास संचालित एक निजी स्कूल संचालक ने लौटा दिया। संचालक का आरोप है कि मुंह पर मास्क लगाए स्कूली बच्चों को दवा पिलाने आए युवक के हाथ में सिर्फ पोलियो ड्रोप थी। न कोई ड्रेस न पहचान पत्र। पोलियो की दवा रखनेवाला न तो डब्बा था और न ही बैनर-पोस्टर। इस वजह वह देखने से पोलियो कर्मी प्रतित नहीं हो रहे थे। इसलिए बच्चों को दवा पिलाने से इंकार कर दिया। उसके पास पोलियो कर्मी होने का कोई सबूत न थे। फिर कैसे बच्चों को दवा पिलाने की अनुमती देता। कहा उनके जिम्मे कई बच्चों की जिंदगी है। बीए पार्ट टू में पढ़ाई करने वाला पोलियो कर्मी ने बताया कि विभाग से आईडी कार्ड नहीं मिला है।

प्रेग्नेंट रेप पीड़िता का 3000 रुपए में कराया अबॉर्शन, मौत

बेतिया में आरोपी जीजा ने हॉस्पिटल में भर्ती कराया, ब्लीडिंग होने पर छोड़कर भागा

बेतिया, एजेंसी। बेतिया में 15 साल की प्रेग्नेंट रेप पीड़िता की 19 नवंबर यानी मंगलवार को मौत हो गई। रेप का आरोपी पीड़िता का जीजा है। गुरुवार को इस मामले में नया खुलासा हुआ है। लड़की की मौत अवैध तरीके से अबॉर्शन कराने से हुई है। सदर एसडीपीओ विवेक दीप ने बताया, आरोपी जीजा ने एक महिला दाई की मदद से पीड़िता को निजी जीवनदीप हॉस्पिटल में भर्ती कराया, जहां 3000 रुपए देकर लेकर उसका अबॉर्शन कराया।

इस दौरान कोई डॉक्टर मौजूद नहीं था। ब्लीडिंग होने पर जीजा उसे 12 नवंबर को छोड़कर भागा गया। घटना घटना मुफस्सिल थाना क्षेत्र की है। इस घटना की सूचना पीड़ित लड़की के परिजनों को मिली। परिवार के लोगों ने उसे दूसरे प्राइवेट अस्पताल में भर्ती करवाया। स्थिति में सुधार नहीं हुआ तो 17 नवंबर को जीएमसीएच लेकर पहुंचे। वहां इलाज के बाद हल्का सुधार हुआ। जीएमसीएच की अधीक्षक डॉ सुधा भारती ने बताया, लड़की के परिजन 18 नवंबर को उसे बिना डिस्चार्ज कराए घर ले गए। घर पर लड़की की तबीयत बिगड़ी और 19 नवंबर को उसकी मौत हो गई।

मौत से 4 दिन पहले पीड़िता ने मां को बताई थी आपबीती

पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम कराने के बाद परिजनों को सौंप दिया। पीड़िता की मां ने बताया कि चार दिन पहले बेटी ने आपबीती बताई थी। उसने कहा था- जुलाई में एक दिन घर में अकेली थी। इसी दौरान ममेरे जीजा कासिम गद्दी पहुंचे और जबरन अपने घर ले जाकर रेप किया। डर की वजह से यह बात किसी से नहीं कही। महीने भर पहले प्रेग्नेंट होने का पता चला तो इसकी जानकारी जीजा को दी। 12 नवंबर को जीजा ने जीवनदीप हॉस्पिटल में अबॉर्शन करवाया। अबॉर्शन के दौरान ब्लीडिंग हुई तो वह भाग गया।

अस्पताल में पुलिस की रेड, एसपी बोले-यह मर्डर है

एसपी डॉ. शौर्य सुमन और सदर एसडीपीओ विवेक ने गुरुवार को जीवनदीप नर्सिंग होम में रेड की। छापेमारी के दौरान कई सबूत मिले हैं। एसपी ने एफएसएल की टीम को भी बुलाकर जांच कराई है। हालांकि, अधिकारियों के आने की सूचना मिलते ही हॉस्पिटल कर्मी भाग निकले। एसपी ने बताया, नाबालिग का किसी वजह से अबॉर्शन करना ही था तो प्रक्रिया का पालन किया जाना चाहिए था। इससे कम से कम उसकी जान बच जाती। एसडीपीओ विवेक दीप ने बताया, मुख्य आरोपी करनमेया निवासी कासिम गद्दी और नर्सिंग होम में दाई का काम करने वाली महिला कलामुन नेशा को गिरफ्तार किया गया है।

सची हॉस्पिटल

NH-28 A, नियर टाटा मोटर्स, मोतिहारी (बिहार)

पथरी एवं मूत्र रोग समर्पित हॉस्पिटल

9102779809, 9801344665

डॉ. एस. प्रसाद

गुलाब का फूल देकर नवपदस्थापित प्राध्यापिका का हुआ स्वागत

- यदि सपने सच नहीं हो रहे हैं तो शिक्षकों को रास्ता बदलना चाहिए न कि सिद्धांत क्योंकि वृक्ष सदा पत्ते बदलते हैं न कि जड़ - प्राचार्य
- शिक्षकों के रक्षार्थ बुटा इकाई संघर्षरत रही है, संघर्षरत है और आगे भी संघर्षरत रहेगी- सचिव

बीएनएम। मोतिहारी

शहर के लक्ष्मी नारायण दूबे महाविद्यालय शिक्षक संघ इकाई द्वारा शुक्रवार को अर्थशास्त्र विभाग में नवपदस्थापित सहायक प्राध्यापिका डॉ.बबीता कुमारी का स्वागत किया गया। अध्यक्ष प्रो. राकेश रंजन कुमार एवं सचिव डॉ.कुमार राकेश रंजन द्वारा संयुक्त रूप से नवपदस्थापित सहायक प्राध्यापिका के स्वागत का प्रस्ताव किया गया जिसे उपस्थित सभी शिक्षकों/ इकाई सदस्यों ने ध्वनिमत से समर्थन किया। प्राचार्य प्रो. (डॉ.) राजेश कुमार सिन्हा एवं अध्यक्ष/सचिव द्वारा बुके देकर नवपदस्थापित अर्थशास्त्र की सहायक प्राध्यापिका डॉ.बबीता कुमारी का स्वागत किया गया। लक्ष्मी नारायण दूबे महाविद्यालय शिक्षक संघ इकाई के सभी शिक्षकों/शिक्षिकाओं/ सदस्यों ने गुलाब का फूल देकर डॉ.बबीता कुमारी का स्वागत किया। ज्ञातव्य हो कि बीआरए बिहार विश्वविद्यालय द्वारा यहां हाल ही में अर्थशास्त्र विभाग में डॉ.बबीता कुमारी को पदस्थापित किया है। डॉ.बबीता कुमारी इससे पूर्व समस्तीपुर कॉलेज, समस्तीपुर के अर्थशास्त्र विभाग में सहायक प्राध्यापिका के पद पर सेवारत थी। प्राचार्य प्रो. (डॉ.) राजेश कुमार सिन्हा ने नवपदस्थापित शिक्षिका का स्वागत करते हुए कहा कि यदि सपने सच नहीं हो रहे हैं तो शिक्षकों को रास्ता बदलना चाहिए न कि सिद्धांत क्योंकि वृक्ष सदा पत्ते बदलते हैं न कि जड़। सचिव डॉ. कुमार राकेश रंजन ने स्वागत करते हुए कहा कि शिक्षकों के रक्षार्थ बुटा इकाई संघर्षरत रही है, संघर्षरत है और आगे भी संघर्षरत रहेगी। उक्त मौके पर कोषाध्यक्ष प्रो. अरविंद कुमार, संयुक्त सचिव प्रो. दुर्गेश मणि तिवारी, डॉ. सुबोध कुमार, डॉ. दुर्वादल भट्टाचार्य, डॉ. दीपक कुमार, डॉ. जौवाद हुसैन, डॉ.कविता कुमारी, डॉ. अनिता कुमारी, डॉ.बबीता कुमारी सहित अन्य प्राध्यापक उपस्थित रहे।

मुखिया पति पर सरकारी जमीन में लगे पेड़ की धड़ल्ले से कटाई का आरोप, प्रशासन मौन

बीएनएम। मोतिहारी

जिले के बनकटवा प्रखंड के जीतपुर पंचायत के भवानीपुर / चनरी चौक से 500 मीटर दूर रक्सौल/घोड़ासहन नहर पुल और जमुनी नदी किनारे रविवार 17 नंबर 2024 को सरकारी जमीन पर लगे सैकड़ों छोटे बड़े शीशम और अन्य पेड़ को मुखिया पति अशोक गुप्ता और उनके छोटे भाई बब्लू गुप्ता और अन्य कई उनके सहयोगी द्वारा जेसीबी की सहायता से कटवा देने का आरोप ग्रामीणों ने लगाया है। बताया गया है कि कुछ ग्रामीणों द्वारा इसकी जानकारी बनकटवा के सीओ को ग्रामीणों द्वारा दी गई है। ग्रामीणों ने बताया है कि पूर्व में भी झंडा मेला आयोजन में नाच नचवाने के लिए नहर के किनारे हरियाली योजना के तहत लगाए गए कई पेड़ को काट दिया गया था। उस वक्त जितना थाना में आवेदन देने के बाद उसे सामूहिक कार्य बताकर अधिकारियों द्वारा लीपापोती कर दी गई थी। बताया गया है कि छठ पूजा से एक महीना पूर्व भी मुखिया पति द्वारा गंडक विभाग के जमीन में पेड़ काटकर छठ घाट बनाने की तैयारी चल रही थी गंडक विभाग के अधिकारियों के हस्तक्षेप के बाद थोड़ी बहुत मिट्टी कटाई करने के बाद काम रोकना पड़ा था।

जनता के दरबार में जिला प्रशासन कार्यक्रम अंतर्गत कुल 56 आवेदन प्राप्त हुए

बीएनएम। मोतिहारी

शहर के समाहरणालय स्थित डॉ. राधाकृष्णन भवन सभागार में शुक्रवार को आयोजित कार्यक्रम जनता के दरबार में जिला प्रशासन द्वारा जिले के विभिन्न प्रखंडों से आए 56 आवेदनकर्ताओं की समस्याओं पर जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल की अध्यक्षता में जिला स्तरीय पदाधिकारी के द्वारा सुनवाई की गई। उक्त प्राप्त शिकायतों पर संज्ञान लेते हुए जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल ने कहा कि जो आवेदन प्राप्त हुए हैं उस पर संबंधित पदाधिकारी के स्तर से कार्रवाई कराते हुए शीघ्र ही समस्या का विधिसम्मत निदान सुनिश्चित किया जाएगा। आज भूमि विवाद, अतिक्रमण वाद, राजस्व विभाग से संबंधित अधिकांश आवेदन प्राप्त हुए जिसके शीघ्र निष्पादन हेतु संबंधित पदाधिकारी को आवश्यक दिशा निर्देश के साथ भेज देने का निर्देश एडीएम के द्वारा प्रभारी पदाधिकारी जिला जन शिकायत कोषांग को दिया गया। कार्यक्रम में जिलाधिकारी के साथ एडीएम पीजीआरओ शैलेंद्र भारती, वरीय उप समाहर्ता यशवंत कुमार ने जनता दरबार में आए लोगों से मिलकर उनकी शिकायतों का समाधान किया।

बरदाहा के मुखिया ने डब्लूपीओ का किया उद्घाटन

बीएनएम। मोतिहारी

जिले के सदर प्रखंड स्थित ग्राम पंचायत राज बरदाहा अन्तर्गत वार्ड नंबर- 08 में डब्लूपीओ का उद्घाटन प्रखण्ड समन्वयक की उपस्थिति में मुखिया मोहन सहनी के द्वारा किया गया। उदघाटन समारोह में जिला से आये हुए प्रतिनिधि एवं स्थानीय जनप्रतिनिधि सहित सभी वार्ड सदस्य एवं ग्रामीण जनता उपस्थित हुए। इस मौके पर लोहिया स्वच्छता योजना अंतर्गत जागरूकता रथ को भी हरी झंडी देकर रवाना किया गया। इस अवसर पर मोहन सहनी मुखिया पंचायत बरदाहा, वार्ड सदस्य रामायण सहनी, निमा देवी, जितेन्द्र सहनी, अंजना देवी, झलियादेवी,तेतरी देवी, धनेसरी देवी, सविता देवी, अजय सहनी,मुकेश रंजन, सतीश चंद्र,गणेश कुमार प्रखंड समन्वयक सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद थे।

बैककर्मी हत्या कांड में फरार 20 हजार का इनामी बदमाश गिरफ्तार

बीएनएम। मोतिहारी

जिले के डुमरियाघाट थाना क्षेत्र के सेमुआपुर में बैंक कर्मी अनीश कुमार हत्याकांड में शामिल फरार चल रहे एक और अपराधी को पुलिस ने शुक्रवार गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार आयुष कुमार सिंह पीपराकोठी थाने के कुड़िया गांव का निवासी बताया गया है। एसपी द्वारा उसके विरुद्ध 20 हजार का इनाम घोषित करने के 24 घंटे के अंदर ही वह गिरफ्तार किया गया। पुलिस कप्तान ने उक्त कांड में फरार चल रहे आयुष कुमार व गोविंदगंज के शिव सहनी के विरुद्ध 20 - 20 हजार का इनाम घोषित किया था। वही कहा गया था कि दोनों अपराधी 48 घंटे के अंदर गिरफ्तार नही हुए या न्यायालय में आत्म समर्पण नहीं करते हैं तो उनके विरुद्ध न्यायालय से कुर्की वारंट लेकर कुर्की जप्ति की कार्रवाई की जाएगी।उल्लेखनीय है,कि बीते 18 नवंबर की शाम पकड़ीदयाल आइसीआइसीआइ बैंक में कार्यरत अनीश कुमार सिंह की मोतिहारी से अपने घर सारण जिला लौटने के दौरान इन बदमाशो ने सेमुआपुर के समीप गोली मार कर हत्या कर दी थी और उनकी बाइक लूटकर फरार हो गये। हालांकि मोतिहारी पुलिस ने तकनीकी अनुसंधान करते हुए इस मामले में पूर्व में एक अपराधी को गिरफ्तार किया था।जिसकी निशानदेही पर इन अपराधियो की संलिप्तता सामने आने के बाद एसपी द्धारा इनके विरूद्ध इनाम घोषित किया गया। परिणास्वरूप आम जनो की सूचना पर पुलिस ने इस शातिर को गिरफ्तार किया है।

MADAN RAJ NURSING HOME
HOSPITAL ROAD MOTIHARI, (BIHAR)
Contact No.- 9801637890, 6200480505, 9113274254

नेपाली तेल टैंकर में छुपाकर ले जा रहे 8 क्विंटल गांजा समेत दो नेपाली नागरिक गिरफ्तार

बीएनएम। मोतिहारी

बिहार में पूर्वी चंपारण जिले के पुलिस अधीक्षक (एसपी) स्वर्ण प्रभात के निर्देश पर मादक पदार्थ की तस्करी के विरूद्ध चलाये जा रहे विशेष अभियान के तहत मेहसी थाना पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर शुक्रवार की सुबह छापामारी करते हुए मेहसी थानाक्षेत्र के चकरोजा शमसुद्दीन गांव के समीप एन.एच.-27 के मुजफ्फरपुर लेन की ओर सड़क के किनारे से नेपाली तेल टेंकर में छिपाकर रखे 834 किलोग्राम मादक नेपाली गांजा बरामद किया है। जिसकी कीमत करीब 1 करोड़ बतायी जा रही है। गांजा लदी टेंकर नेपाल से बेगूसराय जा रही थी। इस दौरान पुलिस ने टेंकर चालक व उपचालक को भी गिरफ्तार किया गया है। दोनो नेपाली नागरिक है। चालक की पहचान

मंजीत तमांग, ग्राम भूस्थान, वार्ड नं.02, धादिंग बागमती, थाना-मधिवेशी, जिला-धादिंग (नेपाल)जबकि उपचालक की पहचान निमा सिंह तमांग, ग्राम भूमिस्थान, वार्ड नं0-02, धादिंग बागमती, थाना-मधिवेशी, जिला-धादिंग (नेपाल) के रूप में हुई है।पुलिस ने गांजा समेत टेंकर को जब्त करते हुए उनके पास से से बरामद दो मोबाइल के डाटा से इनके फारवर्ड व बैकवर्ड लिंकेज को खंगालने में जुटी है। छापेमारी टीम में चकिया डीएसपी सत्येन्द्र सिंह के अलावे मेहसी थानाध्यक्ष रणधीर कुमार भट्ट एसआई पूजा राज, मेहसी थाना, जिला आसूचना इकाई के प्रभारी मनीष कुमार,एसआई अनुज कुमार, सिपाही लव कुमार सिंह, सिपाही अविनाश कुमार एवं सिपाही शिव शंकर कुमार व मेहसी थाना के सशस्त्र बल शामिल थे।

चलंत पशु चिकित्सा सह जागरुकता शिविर का हुआ आयोजन

बीएनएम। सुगौली

सभी को मिले सरकारी योजनाओं का लाभ- डॉ बर्मन

प्रखण्ड क्षेत्र के श्रीपुर भटवालिया में शुक्रवार को क्षेत्रीय निदेशक पशुपालन मुजफ्फरपुर के द्वारा चलन्त पशु चिकित्सा शिविर सह एम्बुलेट्री जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया।कार्यक्रम की अध्यक्षता भ्रमणशील पशु चिकित्सा पदाधिकारी डॉ रविशंकर देव बर्मन ने किया। ग्रामीण पशुपालको के लिए आयोजित पशु चिकित्सा शिविर में सैकड़ों पशुपालको के बीच, भैंस, बकरी इत्यादि मवेशियों की दवा का निशुल्क वितरण किया गया। वहीं आरडी कार्यालय मुजफ्फरपुर से आये भ्रमणशील पशु चिकित्सा पदाधिकारी डॉ संजीव कुमार ने ग्रामीणों को मवेशियों में होने वाली बीमारी के लक्षण,उससे बचाव के उपाय तथा समेकित बकरी एवं भेड़ विकास योजना, समेकित मुर्गी विकास योजना, समेकित शुकर विकास योजना की विस्तृत जानकारी दी। वही करामवा रघुनाथपुर के पशु चिकित्सक डॉ महेंद्र पासवान ने कहा की केंद्र सरकार व राज्य

सरकार के द्वारा किसान पशुपालको के लिये अनेकों योजनाए चलाई जा रही है लेकिन जानकारी के आभाव में बहुत से किसान, पशुपालक सरकारी योजनाओं का लाभ नहीं उठा पाते है। जिसके लिए जागरुकता आवश्यक है। उन्होंने उपस्थित ग्रामीणों से गाय पालन, बकरी पालन, मछली पालन पर विशेष बल देने की बात कही।मौके पर पशु टिकाकर्मी सह स्वयंसेवक अवधेश कुमार गुप्ता, रणधीर कुमार, मनोहर पड़ित, अमजद हुसैन, शत्रुधन साह, मो एकबाल, रोहित रंजन कुमार, कुणाल कुमार, प्रवीण कुमार, बार्ड सदस्य पवन गुप्ता, मंटू कुमर सहित ग्रामीण जन उपस्थित थे।

मोतिहारी पुलिस मिर्ची ग्रेनेड व स्प्रे से हुआ लैस

पुलिस पर हमला करने या सामाजिक सौहार्द बिगाड़ने वालो की अब खैर नही

बीएनएम। मोतिहारी

पुलिस पर हमला करने वाले या कही भी समाजिक सौहार्द बिगाड़ने व दंगा फसाद करने वाले सावधान हो जाए। मोतिहारी पुलिस अब अत्याधुनिक मिर्ची ग्रेनेड व स्प्रे से लैस हो चुकी है।अब पुलिस की सभी गाड़ियों मे आधुनिक तरीके से बना यह चिली ग्रेनेड मौजूद रहेगा।जो मिर्च वाला धुआं निकाल कर फसादियो और बबालियो को नियंत्रित करेगी। इससे आंखों में तेज जलन होगी। जाहिर है,कि यह ग्रेनेड हाल के दिनों में पुलिस पर हमले की घटना के बाद एसपी स्वर्ण प्रभात के द्वारा इसे मोतिहारी पुलिस की सेफ्टी असलहों में शामिल किया गया है।डिफेंस रिसर्च एंड डेवलेपमेंट विभाग नई दिल्ली द्वारा निर्मित इस मिर्ची ग्रेनेड से पुलिस आत्मरक्षा करते हुए हमलावरों को सबक सिखाएगी।

बेतिया में नाबालिग से बलात्कार कर गर्भपात कराने के मामले में नर्स सहित दो गिरफ्तार

बीएनएम। बेतिया

पश्चिम चंपारण जिला मुख्यालय बेतिया में नाबालिग से बार बार बलात्कार कर गर्भपात करने के दौरान हुई मौत में बेतिया पुलिस ने मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। बेतिया सदर एसडीपीओ विवेक दीप ने शुक्रवार को प्रेस वार्ता में बताया कि नाबालिक की मां सुरजानी खातून के आवेदन पर प्राथमिकी दर्ज करते हुए नामजद अभियुक्त मुफस्सिल थाना के करनमया निवासी कामिल गद्दी को गिरफ्तार किया गया है। विवेके दीप ने बताया कि नाबालिग लड़की के साथ बहला फुसलाकर शारीरिक संबंध बनाने एवं पूछताछ करने पर गाली गलौज करते हुए मारपीट करने एवं नाबालिग लड़की के जबर्दस्ती गर्भपात पिछले दिन करा दिया गया । जिससे अधिक रक्तस्राव होने से इलाज के क्रम में लड़की की मौत हो गई थी। पुलिस के अनुसंधान के क्रम में यह पता चला कि लड़की का गर्भपात बेतिया सरकारी हॉस्पिटल के करीब गली में स्थित जीवनदीप हास्पीटल में बेतिया शहर के नया टोला, गंज 1 निवासी कलामुन नेशा नर्स के द्वारा गर्भपात कराई गई थी । पुलिस ने आगे बताया कि प्राइवेट हास्पीटल संचालक सहित चिकित्सक हास्पीटल को छोड़कर फरार बताए जा रहे है।

तीन दिवसीय इस्तमा दुआ के साथ हुआ सम्पन्न

बीएनएम। मोतिहारी

जिले के हरसिद्धि थाना क्षेत्र के सरिसवा में चल रहे तीन दिवसीय इस्तमा शुक्रवार की सुबह साढ़े सात बजे दुआ मांगने के साथ सम्पन्न हो गया। प्रखंड के मुरारपुर पंचायत के सरिसवा में पांच जिले पूर्वी-पश्चमी चंपारण, सीवान, छपरा, गोपालगंज का इस्तमा हो रहा था। करीब दो से तीन लाख लोगों का रहने, खाने और सोने का व्यवस्था किया गया था। सरिसवा गांव समस्त लोगों के नेतृत्व में इस्तमा आयोजित हुआ था। इसे लेकर करीब 300 शौचालय, 300 इस्तंजेखाना, 50 स्नानघर, 350 वजुखाना, 70 चापाकल, 25 बड़े बड़े होटल, 4 मेडिकल कैम्प, 4 पानी का बड़ा टैंकर, 01 मल-मूत्र ढोने के लिए सफाई गाड़ी का इंतजाम किया गया था। करीब 80 एकड़ में सामियाना, टेंट का निर्माण कराया गया था। जहां सोने व इबादत करने की व्यवस्था की गई थी। बेहतर ढंग से प्रोग्राम चलाने को लेकर साउंड, लाइट व पार्किंग का इंतजाम किया गया था।इस इस्तमा के लिए तकरीबन 500 कार्यकर्ता (भलेंटियर्स) बनाये गये थे। जो पार्किंग, ट्राफिकिंग व निगरानी का काम कर रहे थे। सैकड़ों युवाओं को ट्राफिक मैन बनाकर रास्ता बताने की जिम्मेदारी दी गई थी। बस, बाइक व चारपहिया वाहनों के लिए स्टैंड बनाया गया था। इसकी देखरेख करने के लिए निगरानी टीम का गठन किया गया था। इंतजामिया कमेटी में मोख्तार अहमद,

अंसारुल हक, मौलाना अनिसूर्रहमान, सरफराज अहमद, कौसर खालीद, रेयाज अहमद, अबरारूल हक, हसमुद्दीन साहब, कादिर जिल्लानी, शिक्षक शमीम, आलम साहब, रखा गया था। वही समाजसेवी कमरूद्दीन अंसारी के नेतृत्व में निगरानी कमिटी की गठन की गई थी। जिसमें कलाम अंसारी, खान साहब, मुअज्जम आरीफ, आदि युवक शामिल थे। जो दिन-रात निगरानी में रह रहे थे। जान्स हास्पिटल तुरकौलिया चौक डा नसीम अख्तर, एबी हास्पिटल बोरिंग चौक डा अफजल आलम, टू केयर क्लिनिक एंड कपिंग सेंटर गांधघाट डा0 जाहिद अली के तरफ से फ्री मेडिकल कैम्प का व्यवस्था किया गया था। जहां मुफ्त में दवा दिया जा रहा था।

थाली में भी कटौती करने पर मजबूर

महंगाई बढऩे और उसके अनुरूप आमदनी ना बढऩे पर पहली कोशिश भोजन को अप्रभावित रखने की होती है। जब भारत में बहुत से लोग थाली में भी कटौती करने पर मजबूर हैं, तब बाकी उपभोग पर उसकी मार पडऩा लाजिमी है। मार्केट रेटिंग फर्म क्राइसिल की थाली की लागत के बारे में ताजा रिपोर्ट फिर से इस हकीकत पर रोशनी डालती है कि भारत में आम इनसान की जिंदगी कितनी मुहाल होती जा रही है। क्राइसिल का ताजा अनुमान है कि सिर्फ एक महीने- अक्टूबर में शाकाहारी थाली की औसत लागत 20 प्रतिशत बढ़ी। बढ़ोतरी का ये सिलसिला लंबा हो चुका है। मांसाहारी थाली की लागत में पिछले महीनों में जरूर कुछ गिरावट देखी गई थी, लेकिन वो सिलसिला अक्टूबर में टूट गया। बीते महीने मांसाहारी थाली की लागत पिछले वर्ष के अक्टूबर की तुलना में पांच प्रतिशत बढ़ गई। क्राइसिल के मुताबिक थाली की कुल कीमत में सब्जियों का हिस्सा 40 प्रतिशत होता है। अक्टूबर में प्याज और आलू के दाम में क्रमशः 46 और 51 फीसदी का इजाफा हुआ। अक्टूबर 2023 में टमाटर औसतन 29 रुपये किलोग्राम उपलब्ध था, जबकि बीते अक्टूबर में यह औसतन 64 रुपये किलो बिका। बेशक इन सब्जियों के दाम आने वाले हफ्तों में गिरेंगे। उससे थाली की औसत लागत में राहत मिल सकती है। मगर अक्टूबर में दालें 11 प्रतिशत और खाद्य तेल 10 प्रतिशत महंगे हुए। ऐसी वस्तुओं की कीमत में जो वृद्धि हो जाती है, वह शायद ही कभी आगे जाकर घटती है। सिर्फ अक्टूबर की इस सूरत से समझा जा सकता है कि आम लोगों के आम उपभोग में क्यों गिरावट आई है, जिससे अब कॉरपोरेट सेक्टर की बड़ी कंपनियों की बिक्री भी प्रभावित होने लगी है। किसी भी परिवार में महंगाई बढऩे और उसके अनुरूप आमदनी ना बढऩे पर पहली कोशिश भोजन को अप्रभावित रखने की होती है। जब भारत में बहुत से लोग थाली में भी कटौती करने पर मजबूर हैं, तब बाकी उपभोग पर उसकी मार पडऩा स्वाभाविक है। मगर दुखद यह है कि इस थाली की प्रभु वर्ग में किसी को चिंता नहीं है। राजनीतिक दलों में जाति और मजहबी पहचान की सियासत से चुनावों में अपनी बैतरणी पार करने का भरोसा अटूट बना हुआ है, जबकि मीडिया का सारा विमर्श इस सायास कोशिश से प्रेरित है कि ऐसे मुद्दों को चर्चा से दूर रखा जाए। नतीजा आम लोग भुगत रहे हैं।

साहित्य की तीन पीढ़ियां और 'ज्ञानरंजन 88 के हो गए'

कथाकार ज्ञानरंजन 88 के हो गए। नई पीढ़ी की डिजिटल समझ शायद यह पढ़कर उन्हें गूगल में सर्च करने लगेगी। पर जबलपुर और देश-विदेश में उनके समकालीन और आगे-पीछे की तीन पीढ़ियां उनके अवदानों से ज्यादा उनके करिश्माई व्यक्तित्व के प्रभामंडल से आज तक नहीं उबर पाई हैं। एक जीवन कितना सहेज सकता है, बांट सकता है, लिपिबद्ध कर सकता है ज्ञानरंजन इसके एक बेशकीमती उदाहरण हैं। एक गांधीवादी साहित्यसेवी परिवार की संतान हैं ज्ञानरंजन। बचपन में चंचल स्वाभाव के थे तो किशोर वय और युवा अवस्था में उनका स्वर विद्रोही रहा। विचारों में विद्रोह, सामाजिक पैमानों के प्रति विद्रोह, अंतरंग रिश्तों के प्रति दृष्टिगत विद्रोह। उनके सारे नजरिए बिलकुल अलहदा थे। उसी से निकलकर आया कथाकार ज्ञानरंजन। जिनकी रचनाधर्मिता ने पिछली सदी के साठ के दशक की कहानियों को क्रांतिकारी मोड़ दिया। काल्पनिक कहानियों के दौर में उनके कथानक की साफगोई लेखन में परिवर्तन के संकेत बन गए जो आज भी दिशासूचक यंत्र बने हुए हैं। वैसे उनके जीवन का बड़ा हिस्सा हिन्दी की प्रोफेसरी में गुजरा। शेष पत्रिका पहल के संकलन संयोजन और संपादन में। इन्हीं के समानांतर उनकी कलम साहित्य और पत्रकारिता में प्रयोगधर्मिता और बोधगम्यता के साथ चलती रही। उम्र के इस पड़ाव पर किसी भी व्यक्ति का आकलन बहुत आसान हो जाता है। जीवन को टुकड़ों में नही देखा जा सकता है। और ये कसौटी समय सापेक्ष खरी भी नहीं उतरेगी। जीवन का समग्र आकलन ही व्यक्ति का सच्चा और निष्पक्ष आकलन होता है। ज्ञानरंजन का आरंभ एक अनगढ़ता और उनकी वैचारिक ऊहापोह के बीच होता है जो शनैः शनैः स्थिरता प्राप्त करता चला गया। स्वाध्याय के प्रति उनके आग्रह,उत्सुकता और प्रयासों से वे वैश्विक साहित्य के प्रति आर्कषित हुए वहीं पारिवारिक परिवेश और पिता रामनाथ "सुमन"का लेखकीय दृष्टिकोण उनका मार्गदर्शक बना रहा। अध्ययन और अध्यापन उनका प्रिय शगल है। अध्यापन की उनकी अपनी एक विशिष्ट शैली थी जो उन्हें अपने समकालीन शिक्षकों से इतर एक वैशिष्ट्य प्रदान करती है। बिना किताबी सहारा लिए धारा प्रवाही अभिव्यक्ति उस पीढ़ी के छात्रों को आज भी चमत्कृत करती है। अनुभवों का एक ठोस धरातल उन्होंने अपने सिनैमेटिक विजन से तैयार किया और यथार्थ की कसौटी पर कसा तभी उनके शब्द उनके विचार उनकी शैली लेखन और वाचन निराला और मर्मस्पर्शी होता है। कह सकते हैं ये रेयरेस्ट आफ रेयर के पास होता है। कभी कामरेड कहलाने वाले ज्ञानरंजन मार्क्सवादी चिंतन के थिंक टैंक थे। मार्क्स, लेनिन और अन्य रूसी लेखकों के अनुगामी भी थे। लेकिन आज वे समाजवादी जीवन शैली का हिस्सा प्रतीत होते हैं। पर ये यू टर्न नहीं है वरन उनके वैचारिक परिवर्तन का क्रमिक सोपान है। पिता सुमनजी देश के श्रेष्ठ अनुवादकों में एक थे। घर पर उनके समकालीन शब्द शिल्पियों का आना जाना लगा रहता था उन्हीं के सानिध्य में ज्ञानरंजन खुद को तराश रहे थे। निखर रहे थे प्रखर हो रहे थे। अकोला में वे पैदा हुए। इलाहाबाद (प्रयागराज) में परवरिश। फिर जबलपुर को कृतित्व और व्यक्तित्व से पहचान दी फिर इसी शहर की पहचान बन गए और अंततः यहीं के हो गए। पहल का संपादन उनकी स्वतः स्फूर्त पहल था जो आज संग्रहालयीन संपत्ति बन चुका है। उत्कृष्टता इस पत्रिका की पहचान है। देश और काल की सीमाओं का अतिक्रमण, नव लेखकों की पड़ताल ज्ञानरंजन की एकाकी साधना से ही संभव हो सका। उनका श्रेष्ठतम जनसंपर्क भी इसके प्रकाशन में सहभागी बना। एक दौर उनकी पत्रकारिता का भी लोगों ने देखा जब शहर में ज्ञानयुग अखबार निकला तब सोशल मीडिया का दौर नहीं था कंधे पर थैली, जीन्स पर खड़े कॉलर वाला कुर्ता पैरों में सामान्य चप्पलें पहने ज्ञानरंजन आर्कषण का केन्द्र हुआ करते थे। मिलनसारिता, लोगों की हौसला अफजाई करना, उनके तार्किक ज्ञान से ऊपर नजर आता था। कुछ लोगों की बहस का विषय होता है ज्ञानरंजन कथाकार अच्छे हैं या संपादक। कथानक अनुभवों से बेहतर बनता है और संपादकत्व समीचीन हो तो अच्छा लगता है। उनके पास दोनों में महारत है। पर मुझे लगता है ज्ञानरंजन यदि आलोचक होते तो श्रेष्ठतम आलोचकों में उनका शुमार होता।

क्या हम कभी ताजगी से महकती हवा में गहरी सांस ले पाएंगे?

श्रुति व्यास

क्या दिल्ली में अब कभी वह सर्दी आएगी जो पहले आती थी? वह सर्दी जिसमें हम दिल्लीवासी साफ़ हवा में सांस लेते थे? क्या सर्दियों में नीला आकाश देखने को मिलेगा? क्या हम कभी ताजगी से महकती हवा में गहरी सांस ले पाएंगे? दिल्ली को पहली बार 2016 में अहसास हुआ कि हवा जहरीली हो सकती है। उस साल दिल्ली पर पहली बार धुंध की एक बड़ी-सी चादर छा गई थी। हाहाकार मचा और अस्तव्यस्तता के हालात बने। उस समय हम न तो वायु प्रदुषण से जुड़े शब्दों (जैसे एक्यूआई) को समझते थे, ना इसके दुष्प्रभाव को और ना ही इसके अंतिम नतीजों को। इसके एक साल पहले, 2015 में न्यूयार्क टाईम्स के दक्षिण एशिया संवाददाता गार्डिनर हैरिस ने एक लेख लिखा था जिसका शीर्षक था "दिल्ली अपनी सांस रोक लो। इस लेख में जो कहा गया था, वह अंततः सही सिद्ध हुआ। लेकिन उस समय उसकी बहुत आलोचना हुई थी और उसे एक डरावनी कल्पना से अधिक कुछ नहीं माना गया था। मगर आज उस लेख की भविष्यवाणी, दिल्ली की भयावह हकीकत है। सन् 2016 में एक्यूआई 372 था, जो वायु प्रदूषण का 'खतरनाकó स्तर होता है। तब मैंने एक एयर प्यूरीफायर खरीदा था। लेकिन मैं यह नहीं जानती थी कि आठ साल बाद मुझे अकेले अपने घर में साफ हवा में सांस लेने के लिए दो एयर प्यूरीफायरों की जरूरत होगी।

उस समय इवन-आड (जिन गाडिय़ों के नंबर विषम हैं, उन्हें एक दिन और जिनके सम हैं, उन्हें अगले दिन सड़क पर चलने की इजाजत देना), डीजल वाहनों पर प्रतिबंध, ट्रकों के शहर में प्रवेश पर पाबंदी, स्कूलों की छुट्टी आदि जैसे छोटी अवधि के लिये कारगर उपाय लागू किए गए। मगर इनसे दिल्ली निवासी खुश नहीं थे। आज दिल्ली में प्रदूषण का स्तर उस समय से बहुत ज्यादा है लेकिन उससे निपटने के लिए वही पहले वाले उपाय लागू हैं। बस फर्क यह है कि इन उपायों को एक आधिकारिक नाम दे दिया गया है – जीआरएपी 4। दिल्लीवासी तब की तरह आज भी इन कदमों से खुश नहीं हैं। लेकिन उनके पास कोई चारा नहीं है। इन हालातों के लिए वे स्वयं जिम्मेदार हैं। हम साल-दर-साल इस भयावह प्रदूषण का सामना करते रहे लेकिन कहीं कोई गुस्सा नजर नहीं आया। हर सुबह कोई-न-कोई न्यूज़ एजेंसी धुंध में लिपटी दिल्ली की तस्वीरें और वीडियो ट्वीट करती है और उसके बाद ले देकर राजनीति शुरू हो जाती है। दिल्ली में यह संकट इसलिए और गंभीर रूप अख्तियार करता जा रहा है क्योंकि यहाँ मुफ्त बिजली और मुफ्त पानी तो चुनावी मुद्दे हैं, मगर प्रदूषण नहीं है। और क्यों हो? दुर्भाग्यवश आम दिल्लीवासी मुफ्त बिजली और मुफ्त पानी ही चाहता है। लोग समय से पहले बीमारियों से घिर रहे हैं मगर कोई सरकारों से यह नहीं कहता कि इस मुद्दे पर वे गंभीर रूख अपनाएं। कोई सरकारों से मांग नहीं करता कि उसे सांस लेने के लिए साफ़ हवा उपलब्ध करवाई जाए। पिछले आठ सालों में हवा किस हद तक प्रदूषित हो चुकी है यह सबको महसूस है। सड़क के पार की इमारतें तक नजर नहीं आतीं, उड़ानों में देरी हो रही है या उन्हें रद्द करना पड़ रहा है, छोटे-छोटे बच्चों को नेबुलाइजर का

इस्तेमाल करना पड़ रहा है और बड़ों को खांसी की दवाईयों का।

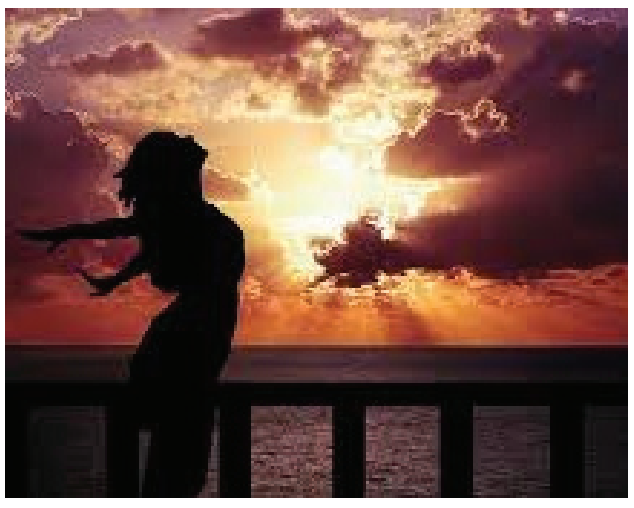

यह सब आम हो चला है। लेकिन इसके बावजूद जनाक्रोश कहीं नहीं है – ऐसा जनाक्रोश जो सरकारों को हालात में बदलाव लाने के लिए मजबूर करे। अब बच्चा-बच्चा पीएम 2.5 का मतलब जानता है। और लोगों की सेहत पर इसका गंभीर दुष्प्रभाव पड़ रहा है। शोधों से अब साबित हो गया है कि प्रदूषित हवा में सांस लेने से टाईप 2 डाईबीटीज का खतरा बढ़ जाता है। एक अन्य अध्ययन में यह पाया गया है कि दिल्ली के लोगों के पीएम 2.5 के औसत वार्षिक एक्सपोजर (92 माइक्रो ग्राम प्रति क्यूबिक मीटर) के कारण रक्तचाप में बढ़ोत्तरी हो रही है और हाइपरटेंशन का रोग होने की संभावना बढ़ गई है। प्रदूषण का शरीर में कोलोस्ट्रोल और विटामिन डी के स्तर, लोगों के स्वास्थ्य संबंधी विभिन्न पहलुओं जैसे जन्म के समय वजन, गर्भवती स्त्री के स्वास्थ्य, किशोरों में इंसुलिन प्रतिरोध और अल्झाइमर व पार्किन्संस होने की संभावना आदि पर क्या प्रभाव होता है, इस पर भी अध्ययन किए जा रहे हैं। एक सोच यह भी है कि प्रदूषित वायु से मनुष्यों का मूड बिगड़ता है, जिससे आत्महत्या का विचार मन में आने की संभावना में बढ़ोत्तरी होती है। लेकिन इस मामले में दिल्लीवालों के ढीले-ढाले रवैये को देखकर ऐसा लगता है कि वे साफ़ हवा को ऐसा मुद्दा ही नहीं मानते जिसके लिए उन्हें संघर्ष करना चाहिए, लडऩा चाहिए। औद्योगीकरण की राह चुनने वाले सभी राष्ट्र एक-न-एक दिन अपने आप को एक दोराहे पर पाते हैं। उन्हें समझ आता है कि 'प्रगतिó और पर्यावरण में से उन्हें एक को चुनना होगा। 'प्रगतिó हर शहर और उसके लोगों से अपनी कीमत वसूलने लगती है। औद्योगिक क्रांति के बाद यूरोप में यही हुआ। अमेरिका को अपनी हवा की गुणवत्ता को बेहतर बनाने में 25 से 35 साल लगे। लास एंजिल्स शहर अपनी हवा को साफ़ करने में 1950 के दशक से जुटा हुआ है मगर अब तक संघीय सरकार द्वारा निर्धारित मानकों तक नहीं पहुंच सका है। चीन में प्रदूषण से लड़ाई जारी है। चीन जल्दी में है क्योंकि उसने युद्ध काफी देर से शुरू किया है। मगर उसने बहुत जल्दी नतीजे हासिल कर लिए हैं। लेकिन दिल्ली में तो अभी जंग तक एलान तक नहीं किया गया है – न जनता द्वारा और ना ही उसके निर्वाचित प्रतिनिधियों द्वारा। निगरानी ढीली-ढाली है और संबंधित कायदे-कानूनों पर सख्ती से अमल नहीं किया जा रहा है। प्रदूषण के स्त्रोतों से निपटने के लिए कड़े नियम बनाने और एक परिष्कृत और अनवरत चलने वाली रणनीति अपनाने में किसी की रूचि नहीं है। रिपोर्ट के अनुसार पिछले दो दशकों से दिल्ली धुंध से लड़ाई में लगातार मात खाता आ रहा है। सन 1990 के दशक में जब वायु प्रदूषण पहली बार एक चिंता का मुद्दा बना, तब सीएनजी का इस्तेमाल शुरू किया गया, कारखाने दिल्ली से हटाकर राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में भेजे गए और मेट्रो पर काम शुरू हुआ। लेकिन जैसे-जैसे दिल्ली बड़ी होती गई, आबादी बढ़ती गई, ये उपाय बौने नज़र आने लगे। फोकस 'प्रगतिó पर था। और बड़े, और ऊंचे शहर, और हाईटेक शहर पर था। मगर इससे होने वाले प्रदूषण से निपटने के लिए कुछ नहीं किया गया। एक्सप्रेसवे बनाये गए – जिन पर कारें हेलीकाप्टर की स्पीड से दौड़ती हैं – मगर पैदल चलने वालों और साइकिल चलाने वालों के लिए सड़कों पर कोई जगह नहीं थी। सिंगापुर में इलेक्ट्रिक व्हीकल्स खरीदने वालों को सरकार अनुदान देती है। मगर हमारे यहाँ सरकारें मुफ्त रेवड़ियाँ बाँट रही हैं। सरकारी तंत्र, प्रदूषण से निपटने के काम को कोई ख़ास तवज्जो नहीं देता। बीच-बीच में सुप्रीम कोर्ट के जगाने पर वह कुछ देर के लिए जागता है – और फिर राजनीति उसे लोरी सुनाकर निद्रामग्न कर देती है। रिपोर्ट के अनुसार, "2010 से लेकर 2015-16 के अवधि में केंद्र और राज्य दोनों सरकारों ने प्रदूषण से निपटने के लिए बहुत कम ठोस कदम उठाए। मगर प्रदूषण के स्त्रोत बढ़ते गए और रिकॉर्ड स्तर तक पहुँच गए – दिल्ली के अन्दर (वाहन और शहर का ठोस कचरा) भी और एनसीआर (निर्माण और उद्योग) में भी। आज दिल्ली में रहना मुहाल हो गया है। सांस लेना मुश्किल हो गया है। नीला आसमान केवल कविता-कहानियों में बचा है। मगर अधिकांश लोगों को कोई परवाह नहीं है। सब कुछ सामान्य है। यमुना का पानी ज़हर बन गया है। मगर सियासी दांवपेंच जारी हैं। आईक्यू एयर के अनुसार, दिल्ली इस वक्त दुनिया का सबसे प्रदूषित शहर है। दिल्ली का एक्यूआई 1,156 है। एक्यूआई 335 के साथ कोलकाता तीसरे नंबर पर है, और मुंबई नौवें स्थान पर। वहां का एक्यूआई 165 है। इस प्रकार, दुनिया भर के सबसे प्रदूषित 10 महानगरों में से तीन भारत में है। मगर विश्वगुरु को कोई परवाह नहीं है। वह तो 'प्रगतिó का दीवाना है – और बड़ा, और ऊंचा। कचरा? उसे तो हम कल साफ़ कर लेंगे। मगर वह नहीं समझ रहा है कि कल तो आज ही है- और आज न होगा तो कल भी न होगा। काश लोग समझ पाते कि अगर सांस लेने के लिए साफ़ हवा ही नहीं है, तो विश्वगुरु होने का क्या मतलब है।

ट्रंप के साथ एलन मस्क की जबरदस्त ज़ुगलबंदी

श्रुति व्यास

पिछले कुछ महीनों से ट्रंप के साथ अगर कोई जबरदस्त जुगलबंदी कर रहा था तो वे थे एलन मस्क। राष्ट्रपति चुनाव अभियान के दौरान सबसे बढ़-चढ़कर लफ्फाजी करने वालों में मस्क अग्रणी थे। ट्रंप की एक रैली में उछल-कूद मचाते हुए उन्होंने दावा किया था कि वे न केवल मागा हैं बल्कि वे एक बर्बर डार्क गौथिक मागा हैं। ट्रप के पक्ष में माहौल बनाने के लिए मस्क ने 'एक्सó का भरपूर इस्तेमाल किया। उन्होंने ट्रंप समर्थकों और उनकी टीम को अपनी बात कहने के लिए एक्स का मंच दिया। मस्क ने खुद के एक्स एकाउंट पर जो रोगन के साथ उनके उस पॉडकास्ट का प्रसारण किया जिसमें वे मागा और डोनाल्ड ट्रंप का गुणगान कर रहे हैं और यह बता रहे हैं कि वे ट्रप के कितने बड़े मुरीद हैं। गौरतलब है कि एक्स पर मस्क के 20 करोड़ फालोअर हैं। मस्क ने अमेरिका के स्विंग राज्यों (वे राज्य जहाँ दोनों पार्टियों के समर्थकों की संख्या लगभग सामान है) में पंजीकृत प्रत्येक मतदाता को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और हथियार रखने के अधिकार के पक्ष में एक याचिका पर हस्ताक्षर करने के बदले 47 डालर देने की घोषणा भी की थी। सीधे शब्दों में कहा जाए तो उन्होंने डोनाल्ड ट्रंप का पूरा समर्थन किया और उनके चुनावी अभियान पर अपना धन भी लुटाया। उन्होंने अपने प्रभाव और अपने अकूत धन, दोनों को ट्रप को समर्पित कर दिया। जाहिर है कि वे परोपकार तो कर नहीं रहे थे। अब वे यह उम्मीद कर रहे होंगे कि उनके समर्थन का ईनाम उन्हें मिलेगा। वे चाहेंगे कि टेस्ला, स्पेस एक्स और उनके अन्य कारोबारों में हो रही गड़बडिय़ों

को नियामक संस्थाएं नजरअंदाज करें या कम से कम उन पर सख्त रूख अख्तियार न करें। ट्रप ने भी दरियादिली दिखाई और जीत बाद दिए गए भाषण में कहा, "एक नए सितारे का उदय हो गया है जिसका नाम है एलन"। इसके फौरन बाद टेस्ला का शेयर करीब 15 प्रतिशत चढ़ गया और उस दिन वह एसएंडपी सूचकांक के सबसे ज्यादा बढऩे वाले शेयरों में से एक बना। इससे मस्क की कुल संपत्ति में 20 बिलियन डालर का इज़ाफा हुआ और वह बढ़कर 285 बिलियन डालर हो गई। ज्ञानीजन कयास लगाने लगे कि क्या वे दुनिया के पहले ऐसे व्यक्ति बनने की राह पर हैं जिसकी संपत्ति 1000 बिलियन डॉलर से अधिक हो। मस्क एक्स की खातिर कुछ भी करने से पीछे नहीं हटेंगे। उन्होंने जनमत को ट्रंप के पक्ष में करने के लिए एक्स के मालिक के तौर पर बहुत बड़ा राजनैतिक और व्यावसायिक दांव खेला है। इसलिए ट्रंप की जीत एक्स के लिए बहुत फायदेमंद साबित हो सकती है। ट्रंप के शासनकाल में एक्स को एक ऐसे मंच का दर्जा मिल सकता है जिसे अमेरिका के राष्ट्रपति का समर्थन हासिल है – जिससे उसका प्रभाव और बढ़ जाएगा। ऐसी अफवाहें हैं कि एक्स का ट्रप के प्लेटफार्म ट्रुथ सोशल की होल्डिंग कंपनी में विलय हो सकता है। चुनाव की रात मस्क ने अपने करोड़ों फालोअर्स को संबोधित एक पोस्ट में कहा था कि, "अब आप ही मीडिया हैं। यह देखा जाना बाकी है कि मस्क के व्यवसायिक साम्राज्य की संघीय जांचों का अब क्या होता है। बाइडन प्रशासन के दौरान नियामक संस्थाओं द्वारा मस्क की कंपनियों की जांच-पड़ताल काफी बढ़ गई थी। न्याय विभाग, सिक्युरिटी एंड एक्सचेंज कमीशन, नेशनल लेबर रिलेशन बोर्ड, पर्यावरण संरक्षण एजेंसी और संघीय व्यापार आयोग – सभी ने उनकी कंपनियों की जांच शुरू कर दी थी। लेकिन जीत के बाद दिए गए अपने भाषण में ट्रप ने मस्क की ओर इशारा करते हुए कहा, "हमें अपनी प्रतिभाओं को संरक्षण देना होगा। हमारे पास ये ज्यादा संख्या में नहीं हैं"। मस्क को ट्रंप के सत्ता में आने से फायदा होगा इसमें कोई शक नहीं। उन्हें अपनी वफादारी का ईनाम मिलेगा। उन्हें सरकारी ठेके बिना ज्यादा जांच-पड़ताल के मिलेंगे। इस बात की भी संभावना है कि उन्हें सरकार में कोई पद दे दिया जाए। चुनाव प्रचार के दौरान मस्क ने कहा था कि एक 'शासकीय कार्यकुशलता आयोगó का गठन किया जाना चाहिए जो संघीय सरकार के सभी कार्यकलापों का लेखा-जोखा रखे। यह बात उन्होंने सबसे पहले एक्स पर ट्रंप के साथ हुई चर्चा के सीधे प्रसारण के दौरान कही। मस्क ने कहा था कि यह आयोग यह सुनिश्चित कर सकता है कि करदाताओं का धन 'ठीक से खर्च किया जाएó। हाल में ट्रंप ने घोषणा की कि वे ऐसा आयोग बनाएंगे और उसका जिम्मा मस्क को सौंपा जाएगा। इस शासकीय आयोग के प्रमुख के तौर पर मस्क का संघीय संस्थाओं पर अच्छा खासा दबदबा रहेगा और किसे कितना बजट दिया जाए, यह तय करने में भी उनकी भूमिका महत्वपूर्ण होगी।

ट्रंप ने इस बात का विस्तार से खुलासा नहीं किया है कि इस आयोग की कार्यप्रणाली क्या होगी और उसे कितनी स्वायत्ता हासिल होगी। हालांकि उन्होंने जोर देकर कहा है कि वह बजट में भारी कटौती करने के तरीके सुझाएगा। मोटे तौर पर कहा जा सकता है कि मस्क की बल्ले-बल्ले हो जाएगी। लेकिन यह गहरी मित्रता आखिर कब तक चलेगी? ट्रप नहीं चाहेंगे कि उन्हें सुर्खियां किसी और के साथ साझा करनी पड़ें। मस्क का भी हमेशा सुर्खियों में बने रहने का अरमान रहता है। दोनों ही व्यापारी हैं जो हर रिश्ते और मित्रता को लाभ-हानि के तराजू पर तौलते हैं। दोनों ही बहुत अस्थिर मिजाज वाले हैं। और जैसे दो समान आवेश वाली चीजें एक दूसरे को प्रतिकर्षित करती हैं, वैसे ही एक से मिजाज और अहं वाले दो व्यक्तियों के बीच दोस्ती टूटने में देर नहीं लगती। दोस्ती कब नफरत में बदल जाए कहा नहीं जा सकते। जब तक ऐसा नहीं होता तब तक मस्क ट्रंप के राष्ट्रपति होने से लाभान्वित होते रहेंगे।

मेष राशिः आज विद्यार्थियों को सफलता के लिए कड़ी मेहनत करनी पड़ेगी लेकिन सफलता जरुर मिलेगी । किसी पुराने दोस्?त से मुलाकात हो सकती है। कारोबार में बढ़ोत्तरी होगी, साथ ही ख़र्च में वृद्धि की संभावना है, छोटे-मोटे उतार- चढ़ाव आएंगे। कार्यस्थल में उच्च अधिकारियों व सहयोगियों का पूरा साथ आपको मिलता रहेगा।

वृष राशिः आज अपने कार्य पर ध्यान लगाएंगे तो आय में वृद्धि होगी, कठिन परिश्रम ही आपकी सफलता की चाबी है। वित्तीय मामलों से जुड़े फैसले कुछ समय के लिए टाल दें। प्रतियोगिताओं में भाग लेने के लिए समय अनुकूल है। आप कार्यक्षेत्र में भी बेहतर कार्य करेंगे। कई दिनों से चली आ रही परेशानी हल मिल सकता है।

मिथुन राशिः आज आपके परिवार के सदस्यों को आनंद देना और एक साथ बाँधे रखना आपके लिये थोडा मुश्किल होगा, लेकिन आप सफल हो जाओगे । किसी के मनोबल और वास्तविक सहयोग के बिना परिस्थिति का सामना करना आपके हित होगा। अपने परिवार के साथ समय बिताने के लिये छोटी छुट्टी लोगें ।

कर्क राशिः आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। कई तरह की व्यक्तिगत गतिविधियों मे ही दिन व्यतीत हो जाएगा। आज आपका भाग्?य आपके साथ है, कार्य स्थल पर प्रमोशन या प्रशंसा मिलने के आसार हैं, व्?यापार में नई संभावनाएं तलाशी जा सकती हैं। जॉब की तलाश कर रहे लोगों को मंज़िल मिलेगी। ऑफ़िस में आपका कार्य काबिल-ए- तारीफ़ होगा। कोई रुका हुआ पैसा या खोई वस्तु आपको वापस मिल सकती है।

सिंह राशिः आज लंबे समय से जिस परीक्षा या टेस्ट के नतीजों का आप इंतजार कर रहे थे, वो आज आपको मिल सकता है, नतीजे आपके पक्ष में ही होंगे। जॉब चेंज करने का प्रयास न करें, नौकरी में स्थानांतरण की सूचना मिल सकती है। निवेश करने के लिए अच्छा नहीं है, धनागमन होगा परन्तु खर्च में बढ़ोतरी भी होगी। आज आपकी किस्मत आपके साथ है, कार्यक्षेत्र में लाभ होने से आपका मन प्रसन्?न रहेगा, आमदनी में वृद्धि हो सकती है।

कन्या राशिःआज कोई अच्छी ख़बर चित्त प्रसन्न कर देगी। किसी लाभकारी योजना का मसौदा बनेगा। किसी विशिष्ट अध्ययन में समय व्यतीत होगा। आनन्द की प्राप्ति होगी। आपका वक्तृत्व कौशल कई सफलता का सूत्रपात करेगा। चिरप्रतिक्षित काम आगे बढ़ेगा। मन में शान्ति का अनुभव होगा। पुरानी समस्या ख़त्म होगी। ऋण मुक्ति का प्रयास सफल होगा। करियर में सतर्क रहें। वाणी और बौद्धिक क्षमता से नयी राह निकलेगी। नये कार्य की योजना बनेगी।

तुला राशिःआज रुका हुआ धन प्राप्त होगा। संतान से भी सुख प्राप्त होगा। आपकी आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। आपके करियर में संतुष्टि मिलेगी। विदेश से सम्पर्क लाभ प्रदान करेगा। स्वभाव का रूखापन आपके विरोधियों की संख्या में इज़ाफा करेगा । पारिवारिक प्रेम और आनन्द में वृद्धि के योग है। आज आपकी नये वाहन की रूपरेखा बनेगी। किसी चिर प्रतीक्षित कार्य में सफलता संभव है।

वृश्चिक राशिः वालों आज करियर में प्रदर्शन सुधारने का प्रयास रंग लायेगा। कोई वादा उम्मीद जगायेगा। मौलिक विचार नया द्वार खोलेगा। आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि कारक होगा। हौसले को उड़ान मिलेगी। किसी की सहायता से क़र्ज़् से मुक्ति की राह निकलेगी। पराक्रम और मौलिक विचार आर्थिक समृद्धि प्रदान करेंगे। सरकार से लाभ और मान सम्भव है। मां का सहयोग हृदय में शांति भर देगा।

धनु राशिः आज विनम्रता से लाभ का मार्ग प्रशस्त होगा। किसी पुरानें निवेश की अच्छी कीमत मिलेगी। किसी पुराने मित्र से सम्पर्क उत्साह भर देगा। सेहत का ध्यान रखें। आज आपको अनुकूल दिन का आनंद मिलेगा, आज अपने संभावित समाधान करने के लिए पर्याप्त गुंजाइश नहीं होगी। आज अच्छा समय है एक नया वाहन खरीदने के लिए।

मकर राशिः आज आपके भाग्य का पूरा साथ आपको प्राप्त होगा। जो जातक नौकरी परिवर्तन के बारे में सोच रहे हैं उनके लिए समय अनुकूल रहेगा। उपहार व सम्मान में वृद्धि होगी। शासन सत्ता का सहयोग रहेगा। जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी।

कुंभ राशिः आज आप काफी ऊर्जावान और अपने जीवन के दो क्षेत्रों में सक्रिय खोज में महसूस होगा। जीवन में अपनी प्रगति के विषय में सभी मामलों में एक नई चमक होगी। पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। बिज़नेस में आपको कोई बड़ा मुनाफ़ा मिल सकता है। आर्थिक दृष्टिकोण से यह समय आपके लिए अच्छा रहेगा।

मीन राशिः आज का दिन आपके लिए उमंग से भरा रहने वाला है। बिजनेस में लाभ के लिए मदद लेनी होगी। वाद-विवाद से दूर रहें। काबिलियत दिखाने का मौका मिलेगा, छात्रों का दिन अच्छा रहेगा,आर्थिक रूप से सफलता मिलेगी।

शब्द पहेली - 8320

बाएँ से दाएँ

1.उचित,गलत का विलोम-2
4.अधिकार-2
6.परछाई-2
7.सम्मान,प्रसिद्धि-2
9.उल्टी,कै,वमन-3
12.रंग (अंग्रेजी-3)
14.चंचल,फुर्तीला-3
16.भयभीत होना-4
17.फुर्तीलापन-4
18.बसंत काल-3
20.भ्रम,वहम-3
22.आश्रय,शरण-3
24.राजनीतिक पार्टी-2
26.शारीरिक ऊंचाई-2
27.गन्ना-2
28.शाखा,टहनी-2

ऊपर से नीचे

1.नमस्ते,आदाब-3
2.देह,बदन,तन-2
3.शराब,मदिरा-2
5.डोली उठानेवाले-3
6.पत्नी की छोटी बहन -2
8.वहम,संदेह-2
10.जरुरतमंद-5
11.नाग,सर्प-2
13.आनंदित होना -5
14.भारत से निकलने वाली नदी जो पाकिस्तान में खत्म होती है-3
15.ढीला,सुस्त-3
19.नुकसान,घाटा-2
20.सद्कार्य-3
21.नशा,सरुर,खुमार-2
22.ओहदा -2
23.भवन,कोठी-3
25.क्षण,पल-2
26.कलिका,फूल खिलने से पहले की स्थिति-2

शब्द पहेली -8319 का हल

	क	हा	नी		प	ती	ला	
मा	ला		र		र		वा	दा
म			व	र	दा	न		ला
ला	य	क		न		म	न	न
		र	मी		रॉ	की		
सू	र	त		आ		न	म्र	र
री		ब	ह	का	ना			की
ला	ख		टा		ह		र	ब
	र	वा	ना		क	ल	म	

Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसारः-9931408109 ईमेलः-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइटः-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

आईपीएल नीलामी में इस प्रकार खेल पायेंगे बिना बिके खिलाड़ी

मुम्बई। आईपीएल के 2025 सत्र के लिए मेगा नीलामी सऊदी अरब के जेद्दा शहर में 24-25 नवंबर को होने वाली है। इस दो दिवसीय नीलामी में कई खिलाड़ियों पर करोड़ों की बोली लगेगी। इसके लिए इस बार 574 खिलाड़ी मैदान में उतरेंगे जिनमें से 204 खिलाड़ियों को ही खरीददार मिलेंगे। ऐसे में बचे हुए 270 खिलाड़ी बिना बिके ही रह जाएंगे पर इसके बाद भी इन खिलाड़ियों के पास आईपीएल में खेलने का अवसर है। आईपीएल नीलामी में नहीं बिकने वाले खिलाड़ी के पास तब भी टीम में जगह पाने का अवसर रहता है जब किसी टीम का कोई खिलाड़ी घायल होकर बाहर हो जाये या किसी टीम को कोई खिलाड़ी किसी कारण से अपना नाम वापस ले ले। ऐसे में फ्रेंचाइजी नहीं बिके खिलाड़ियों में से किसी को फ्रेंचाइजी विकल्प के तौर अपने साथ रख सकती है। आईपीएल के इतिहास में ऐसा कई बार हुआ है जब नीलामी में बिना बिके खिलाड़ियों को भी खेलने का अवसर मिला है। .

गौरतलब है कि कोलकाता नाइटराइडर्स के ओपनर फिल साल्ट को आईपीएल 2024 नीलामी में पहले किसी टीम ने नहीं खरीदा था पर जब ओपनर जेसन रॉय हटे थे तो केकेआर ने साल्ट को अपने साथ जोड़ लिया। वहीं इससे पहले साल 2023 में राजस्थान रॉयल्स ने भी नीलामी में नहीं बिके संदीप शर्मा को प्रसिद्ध कृष्णा के चोटिल होने के बाद खरीदा था।

आईपीएल नीलामी कार्यक्रम से पोंटिंग और लैंगर की मुश्किलें बढ़ीं

पर्थ। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग ने कहा है कि आईपीएल 2025 मेगा नीलामी के लिए रखे कार्यक्रम के कारण उन्हें और जस्टिन लैंगर को परेशानी होगी। पोंटिंग लौर लैंगर बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी के लिए कमेंट्री टीम में शामिल हैं। पोंटिंग ने कहा कि नीलामी का कार्यक्रम 24 और 25 नवंबर को जेद्दा में रखा गया है। इस कारण उन्हें पहले टेस्ट मैच को बीच में ही छोड़कर जाना होगा। पोंटिंग और लैंगर आईपीएल फ्रेंचाइजी से कोच के तौर पर जुड़े हैं। जेद्दा में होने वाली नीलामी में पोंटिंग बतौर पंजाब किंग्स कोच, लैंगर लखनऊ सुपर जायंट्स के कोच के रूप में मौजूद रहेंगे। पोंटिंग और लैंगर पर्थ टेस्ट के पहले दिन ही कमेंट्री करते हुए नजर आएंगे, इसके बाद इन्हें जाना होगा। पोंटिंग ने कहा कि, ये मेरे और लैंगर के लिए कठिन स्थिति है। हम पिछले कुछ महीनों से सोच रहे थे कि शायद टेस्ट मैच और नीलामी में अंतर होगा। इससे दोनों टीमों के खिलाड़ियों पर से दबाव हट जाएगा पर ऐसा नहीं हुआ। वहीं अब आईपीएल की ओर से कहा गया कि तरीखें तय हैं और उनमें बदलाव नहीं होगा।

शमी ने मांजरेकर को करारा जवाब दिया

नई दिल्ली। अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी ने पूर्व क्रिकेटर संजय मांजरेकर की उस बयान के लिए कड़ी आलोचना की है। जिसमें मांजरेकर ने कहा है कि फिटनेस सही नहीं होने के कारण आईपीएल 2025 के लिए शमी पर टीमें अधिक रकम लगाने का जोखिम नहीं उठाएंगी। शमी ने कहा कि मांजरेकर कमेंटटर का काम कर रहे हैं पर उन्हें इस प्रकार की आधारहीन बातें नहीं करनी चाहिये। आईपीएल में 2013 में पदार्पण के बाद से शमी ने 110 मैचों में 127 विकेट लिए हैं। उन्होंने टखने की चोट के कारण सर्जरी के बाद करीब एक साल में प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में हाल ही में वापसी की है। शमी को इस बार मेगा नीलामी से पहले गुजरात टाइटंस ने रिलीज कर दिया। नीलामी में उनका बेस प्राइज दो करोड़ रूपए है। शमी ने सोशल मीडिया पर लिखा, ' थोड़ा सा ज्ञान अपने भविष्य के लिए भी बचा लो, काम आएगा मांजरेकर जी। साथ ही तंज कसा कि किसी को भविष्य जानना हो तो इनसे मिलें। मांजरेकर ने कहा था कि शमी के लिये कई टीमें बोली लगा सकती है लेकिन उन्हें नहीं लगता कि टीमों के बीच उनके लिये होड़ होगी। उन्होंने कहा था, 'टीमों की उनमें रुचि होगी लेकिन चोटों के उनके इतिहास को देखते हुए सत्र के बीच में बाहर होने की आशंका रहती है इसलिए टीमें जोखिम नहीं लेना चाहेंगे क्योंकि अगर शमी बीच में बाहर होते हैं तो उनका पैसा फंस जाएगा।

आजकल दुबई की सैर कर रहे पाक क्रिकेटर हसन अली

दुबई। पाकिस्तान क्रिकेट टीम से बाहर चल रहे तेज गेंदबाज हसन अली आजकल पत्नी के साथ दुबई की सैर कर रहे हैं। हसन ने सोशल मीडिया पर कुछ तस्वीरें भी साझा की हैं, इसमें वह पत्नी सामिया आरजू के साथ घूम रहे हैं। सामिया भारतीय मूल की हैं और हरियाणा के पलवल जिले की रहने वाली हैं। सामिया पेशे से फ्लाइट इंजीनियर हैं। हसन और सामिया की पहली मुलाकात भी दुबई में ही हुई थी। तब हसन क्रिकेट सीरीज खेलने के लिए वहां गए हुए थे। धीरे धीरे दोनों की दोस्ती हुई और फिर बात शादी तक जा पहुंची। हसन अपनी तसवीरें और वीडियो अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर शेयर करते रहते हैं। इन दोनो की दो बेटियां है। हसन ने पाक की ओर से 24 टेस्ट, 66 एकदिवसीय और 51 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं। उन्होंने टेस्ट में 80 जबकि एकदिवसीय में 100 विकेट लिए हैं जबकि टी20 में उनके नाम 60 विकेट दर्ज हैं। हसन ने अपना आखिरी टेस्ट मैच इस साल जनवरी में खेला था उसके बाद से ही वह टीम में वापसी करने में विफल रहे हैं। इसके अलावा एकदिवसीय टीम में भी उन्हें पिछले एक साल से जगह नहीं मिली है। इसका कारण नसीम शाह सहित कुछ युवा गेंदबाजों का अच्छा प्रदर्शन भी एक कारण है।

अब बीबीएल में सिडनी थंडर की कप्तानी करते दिखेंगे वॉर्नर

सिडनी। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व सलामी बल्लेबाज डेविड वॉर्नर अब घरेलू बिग बैश लीग (बीबीएल) 2024-25 लीग में सिडनी थंडर की कप्तानी करते हुए नजर आयेंगे। वॉर्नर को साल 2018 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मुकाबले में गेंद से छेड़छाड़ को लेकर आजीवन कप्तानी के लिए प्रतिबंधित कर दिया गया था। उस समय वह टीम के उपकप्तान थे। इसके बाद वार्नर टीम में वापसी करने में सफल हुए पर उनका करियार अधिक नहीं चल पाया। वॉर्नर ने कुछ समय पहले ही अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कह दिया था। इस क्रिकेटर ने कप्तानी पर लगे प्रतिबंध के खिलाफ अपील की थी। जिसके बाद क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के आचार संहिता आयोग ने उन पर लगे प्रतिबंध को समाप्त कर दिया। समीक्षा पैनल ने कहा, 'वार्नर जवाबों के सम्मानजनक तथा पश्चाताप भरे लहजे ने समीक्षा पैनल को प्रभावित किया और उन्हें अपने आचरण के लिए अत्यधिक पश्चाताप है। इसके बाद उन्हें सिडनी थंडर का कप्तान बनाये जाने की घोषणा की गई। वहीं सिडनी थंडर का कप्तान बनाए जाने पर उत्साहित वॉर्नर ने कहा, 'एक बार फिर सिडनी थंडर की कप्तानी करना मेरे लिए बहुत मायने रखता है। मैं शुरुआत से ही इस टीम का हिस्सा रहा हूं। अब अपने नाम के आगे 'सी के साथ वापस आना बहुत अच्छा लग रहा है। वार्नर ने इससे पहले 2011 में एक बार थंडर का नेतृत्व किया था।

व्यापार

शेयर बाजार में तेजी के साथ कारोबार

सेंसेक्स में करीब 750 अंक की तेजी, निफ्टी भी 230 अंक चढ़ा

मुंबई। वैश्विक बाजारों से मिलेजुले संकेतों के बावजूद सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन शुक्रवार को घरेलू शेयर बाजारों में तेजी के साथ कारोबार देखा जा रहा है। सुबह की शुरुआत में सेंसेक्स 750 अंक की तेजी के साथ 77,920 के स्तर पर कारोबार कर रहा है। निफ्टी में भी 230 अंक की तेजी है, ये 23,580 के स्तर पर कारोबार कर रहा है। सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 28 में तेजी और 2 में गिरावट है। निफ्टी के 50 शेयरों में से 47 में तेजी और 3 में गिरावट है। एनएसई के सभी सेक्टोरल इंडेक्स तेजी के साथ कारोबार कर रहे हैं। अमेरिका में उद्योगपति गौतम अडानी समेत 8 लोगों पर अरबों रुपए की धोखाधड़ी के आरोप लगने के बाद केन्या सरकार ने गुरुवार को अडानी ग्रुप के साथ किए सभी डील रद्द करने की घोषणा की। इसका असर अडानी ग्रुप के शेयर्स में देखने को मिल रहा है। अडानी ग्रीन एनर्जी के शेयर में सबसे ज्यादा 7.34 फीसदी की गिरावट है। वहीं इससे पहले गुरुवार को सेंसेक्स 422 अंक की गिरावट के साथ 77,155 के स्तर पर बंद हुआ था। वहीं निफ्टी में भी 168 अंक की गिरावट रही, ये 23,349 के स्तर पर बंद हुआ था। सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 20 में गिरावट और 10 में तेजी थी। वहीं एशियाई बाजार में जापान के निक्केई में 1.02 फीसदी और कोरिया के कोस्पी में 1.10 फीसदी की तेजी है। वहीं चीन का शंघाई कम्पोजिट इंडेक्स 0.46 फीसदी की गिरावट के साथ कारोबार कर रहा है। 21 नवंबर को अमेरिका का डाओ जोंस 1.06 फीसदी चढ़कर 43,870 पर और एसएंडपी 500 0.53 फीसदी बढ़कर 5,948 पर बंद हुआ। नैस्डैक भी 0.033 फीसदी चढ़कर 18,972 पर बंद हुआ। एनएसई के डेटा के अनुसार विदेशी निवेशकों ने 21 नवंबर को 5,320.68 करोड़ के शेयर बेचे। इस दौरान घरेलू निवेशकों ने 4,200.16 करोड़ के शेयर खरीदे।

ग्लोबल मार्केट से पॉजिटिव संकेत, एशिया में मिला-जुला कारोबार

नई दिल्ली। ग्लोबल मार्केट से आज पॉजिटिव संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान मजबूती के साथ बंद हुए। हालांकि डाउ जॉन्स फ्यूचर्स आज सपाट स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार में भी पिछले सत्र के दौरान लगातार खरीदारी होती रही। वहीं एशियाई बाजारों में आज मिला-जुला कारोबार हो रहा है। दिसंबर के महीने में ब्याज दरों में कटौती होने की संभावना के कारण पिछले सत्र के दौरान अमेरिकी बाजार में उत्साह का माहौल बना रहा। इस उत्साह की वजह से वॉल स्ट्रीट के सूचकांक बढ़त के साथ बंद हुए। एसएंडपी 500 इंडेक्स 0.53 प्रतिशत की मजबूती के साथ 5,948.43 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह नैस्डेक ने 0.04 प्रतिशत की तेजी के साथ 18,973.14 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स आज फिलहाल 0.02 प्रतिशत की सांकेतिक गिरावट के साथ 43,861.14 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। अमेरिकी बाजार की तरह ही यूरोपीय बाजार में भी पिछले सत्र के दौरान लगातार तेजी बनी रही। एफटीएसई इंडेक्स 0.79 प्रतिशत की मजबूती के साथ 8,149.27 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह सीएसी इंडेक्स ने 0.21 प्रतिशत उछल कर 7,213.32 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा डीएएक्स इंडेक्स 141.39 अंक यानी 0.74 प्रतिशत की बढ़त के साथ 19,146.17 अंक के स्तर पर बंद हुआ। एशियाई बाजार में आज मिला-जुला कारोबार होता हुआ नजर आ रहा है। एशिया के 9 बाजारों में से 6 के सूचकांक बढ़त के साथ हरे निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि 3 सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में बने हुए हैं। हैंग सेंग इंडेक्स 241.66 अंक यानी 1.23 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 19,359.45 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 1 प्रतिशत फिसल कर 3,336.93 अंक के स्तर तक लुढ़क गया है। इसके अलावा सेट कंपोजिट इंडेक्स 0.06 प्रतिशत की गिरावट के साथ 1,439.54 अंक के स्तर पर बना हुआ है। दूसरी ओर, गिफ्ट निफ्टी 149.50 अंक यानी 0.64 प्रतिशत की मजबूती के साथ 23,516.50 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह निक्केई इंडेक्स 310.85 अंक यानी 0.82 प्रतिशत की तेजी के साथ 38,337.02 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। ताइवान वेटेड इंडेक्स ने आज जोरदार छलांग लगाई है। फिलहाल ये सूचकांक 380.67 अंक यानी 1.69 प्रतिशत उछल कर 22,936.33 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह कोस्पी इंडेक्स 1 प्रतिशत की मजबूती के साथ 2,505.47 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। इसके अलावा जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स 0.84 प्रतिशत की बढ़त के साथ 7,201.07 अंक के स्तर पर और स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 0.07 प्रतिशत की मामूली तेजी के साथ 3,741.84 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं।

जिंका लॉजिस्टिक्स ने लिस्टिंग से निवेशकों को किया निराश, बिकवाली के दबाव में टूटे शेयर

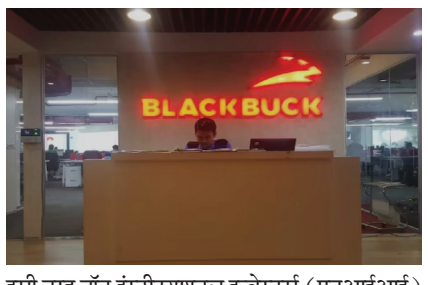

नई दिल्ली। ट्रक ऑपरेटरों को ब्लैकबक ट्रेड नेम से डिजिटल प्लेटफॉर्म उपलब्ध कराने वाली कंपनी जिंका लॉजिस्टिक्स सॉल्यूशंस के शेयर आज लगभग 3 प्रतिशत प्रीमियम के साथ शेयर बाजार में लिस्ट हुए। हालांकि लिस्टिंग के तुरंत बाद बिकवाली शुरू हो जाने के कारण कंपनी के आईपीओ निवेशकों की खुशी थोड़ी ही देर में खत्म हो गई। बिकवाली के दबाव के कारण ये शेयर 3 प्रतिशत से अधिक लुढ़क गया। बाजार में लगातार जारी खरीद-बिक्री के बीच सुबह 11 बजे कंपनी के शेयर 8.85 रुपये यानी 3.24 प्रतिशत की गिरावट के साथ 264.15 रुपये के स्तर पर कारोबार कर रहे थे। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 273 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज पर इसकी लिस्टिंग 279.05 रुपये के स्तर पर हुई, जबकि नेशनल स्टॉक एक्सचेंज पर इस शेयर ने 280.90 रुपये के स्तर पर लिस्ट होकर दस्तक दी थी। जिंका लॉजिस्टिक्स सॉल्यूशंस का 1,114.72 करोड़ रुपये का आईपीओ 13 से 18 नवंबर के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। ये आईपीओ ओवरऑल 1.87 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इसमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 2.72 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इसी तरह नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में भी 2.72 गुना सब्सक्रिप्शन आया था, जबकि रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 1.70 गुना और एम्पलाइज के लिए रिजर्व पोर्शन 9.86 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इस आईपीओ के तहत कंपनी ने 550 करोड़ रुपये के नए शेयर जारी किए हैं। इसके अलावा 1 रुपये फेस वैल्यू वाले 2,06,85,800 शेयर की ऑफर फॉर सेल विंडो के जरिए बिक्री की गई है। नए शेयर से मिलने वाले पैसे का इस्तेमाल कंपनी अपनी एनबीएफसी सब्सिडियरी ब्लैकबक फिनसर्व में निवेश करने, प्रोडक्ट डेवलपमेंट करने, सेल्स और मार्केटिंग नेटवर्क को मजबूत करने और आम कॉर्पोरेट उद्देश्यों में करेगी।

सर्राफा बाजार में लगातार तीसरे दिन सोने के भाव में तेजी, चांदी की भी बढ़ी चमक

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में सोना आज लगातार तीसरे दिन महंगा हुआ है। इस चमकीली धातु की कीमत में आज 300 रुपये से लेकर 330 रुपये प्रति 10 ग्राम तक की तेजी दर्ज की गई है। इस तेजी के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना आज 78,100 रुपये से लेकर 77,950 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना 71,600 रुपये से लेकर 71,450 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बना हुआ है। सोने की तरह आज चांदी के भाव में भी तेजी आई है, जिसके कारण दिल्ली सर्राफा बाजार में इसकी कीमत 92,100 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर पहुंच गई है। देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 78,100 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 71,600 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं, देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 77,950 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 71,450 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 78,000 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 71,500 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 77,950 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 71,450 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 77,950 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 71,450 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 78,100 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 71,600 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। वहीं पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 78,000 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई है, जबकि 22 कैरेट सोना 71,500 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह जयपुर में 24 कैरेट सोना 78,100 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 71,600 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी आज सोना महंगा हुआ है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना आज 77,950 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 71,450 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

कांतारा: चैप्टर 1 की रिलीज डेट आउट

2 अक्टूबर 2025 को सिनेमाघरों में दस्तक देगी ऋषभ शेट्टी की फिल्म

ऋषभ शेट्टी की मोस्ट अवेटेड फिल्म कांतारा का प्रीक्वल कांतारा चैप्टर 1 की रिलीज डेट सामने आ चुकी है. मेकर्स ने हाल ही में ये बड़ी अनाउंसमेंट की और फैंस को खुश कर दिया. इस फिल्म का दर्शक लंबे समय से इंतजार कर रहे हैं. साल 2022 में कम बजट में बनी फिल्म कांतारा ने 400 करोड़ रुपये का कारोबार करके बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचा दिया था. ऋषभ शेट्टी की एक्टिंग से लेकर उनके डायरेक्शन, फिल्म की कहानी, कास्ट, सबकुछ कमाल का था. दर्शकों के साथ ही क्रिटीक्स ने भी फिल्म की सराहना की थी. कांतारा की कहानी ने पूरे इंडियन सिनेमा को हिलाकर रख दिया था. जिसके बाद मेकर्स ने इसके प्रीक्वल का अनाउंसमेंट किया और अब इसकी रिलीज डेट भी सामने अनाउंस कर दी गई है. ऋषभ शेट्टी की कांतारा चैप्टर 1 दुनियाभर के सिनेमाघरों में साल 2025 में 2 अक्टूबर को रिलीज होगी. हाल ही में होम्बले फिल्म्स ने इसकी घोषणा करते हुए फैंस का दिल खुश कर दिया. फिल्म का धांसू पोस्टर रिलीज करते हुए मेकर्स ने लिखा, अब वक्त आ चुका है, कांतारा वर्ल्डवाइड 2 अक्टूबर 2025 को दुनियाभर के सिनेमाघरों में दस्तक देगी. इस अनाउंसमेंट ने दर्शकों को खुश कर दिया है. फिल्म की रिलीज डेट अनाउंस करते ही दर्शकों ने कमेंट सेक्शन में अपने रिएक्शन देना शुरू कर दिया. जैसे होम्बले फिल्म्स ने ये ऐलान किया दर्शकों ने कमेंट सेक्शन में मैसेज की बाढ़ ला दी. एक ने लिखा, ये बहुत लंबा इंतजार है ऋषभ शेट्टी प्लीज इसे प्रीपोन कर दीजिए. एक ने लिखा, जल्दी सिनेमाघरों में आओ और फिर से कमाई के रिकॉर्ड तोड़ो. एक ने कमेंट किया, फाइनली, रिलीज डेट, लेकिन ये बहुत लंबा इंतजार है. ऋषभ शेट्टी को कांतारा में उनकी बेहतरीन परफॉर्मेंस के लिए बेस्ट फिल्म का नेशनल अवार्ड भी मिला है और इसके लीड एक्टर ऋषभ शेट्टी को बेस्ट एक्टर के नेशनल अवार्ड से नवाजा गया. तभी से फैंस इसके प्रीक्वल का इंतजार कर रहे हैं. फिल्म की शूटिंग तटीय कर्नाटक में की जा रही है क्योंकि इसकी कहानी यहीं पर आधारित है.

ये काली काली आंखें सीजन 2 ने प्यार की ताकत का पढ़ाया पाठ: श्वेता त्रिपाठी

अभिनेत्री श्वेता त्रिपाठी इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म ये काली काली आंखें सीजन 2 की तैयारी में व्यस्त है। उन्होंने कहा कि इस फिल्म की कहानी ने उन्हें सिखाया है कि प्यार में आपको बदलने की ताकत होती है। इस फिल्म में श्वेता त्रिपाठी, शिखा के रूप में अपनी भूमिका को फिर से निभाने के लिए तैयार है। वह अपने किरदार की यात्रा और भूमिकाओं को लेकर अपनी सोच पर खुलकर बात करती दिखीं। अपने किरदार के बारे में बात करते हुए अभिनेत्री ने कहा, यह शो वास्तव में सवाल पूछता है, आप प्यार के लिए कितनी दूर तक जा सकते हैं यही वह यात्रा है जिस पर शिखा इस सीजन में खुद को पाती है, और मुझे लगता है कि यह कुछ ऐसा है जो दर्शकों को शो की गहराई के साथ जोड़ेगा। इस सीजन में दर्शकों को मेरे किरदार का एक और कमजोर पक्ष दिखाई देगा। श्वेता ने कहा, शिखा की दुनिया तब बिखर जाती है जब उसका सच्चा प्यार विक्रांत पूर्वा से शादी कर लेता है, जिससे वह खोई हुई और निराश महसूस करती है। स्वभाव से डरपोक उनका किरदार दूसरों को नुकसान पहुंचाने से बचता है। इस सीजन में शिखा का एक नया पक्ष सामने आता है क्योंकि वह विक्रांत के साथ अपने प्यार के लिए लड़ने का फैसला करती है। इस सीजन में श्वेता का किरदार रोमांस से आगे बढ़कर दर्शकों को प्रेम, त्याग और व्यक्तिगत सीमाओं के बारे में प्रेरित करता नजर आएगा। मिर्जापुर स्टार ने बताया कि उन्होंने अपनी पिछली भूमिकाओं में क्रोध और बदले की भावना को दिखाया है, लेकिन इस कहानी ने उन्हें यह दिखाने का मौका दिया गया कि कैसे प्यार आपको बदल सकता है और कभी-कभी आप उसमें पूरी तरह खो भी जाते हैं।

सिद्धार्थ सेनगुप्ता द्वारा लिखित और निर्देशित ये काली काली आंखें सीजन 2 में ताहिर राज भसीन, आंचल सिंह और गुरमीत चौधरी भी हैं। यह शो 22 नवंबर को नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगा।

बॉक्स ऑफिस पर भूल भुलैया 3 की कमाई में भारी गिरावट, 18वें दिन कमाए इतने करोड़ रुपये

कार्तिक आर्यन और विद्या बालन की हॉरर कॉमेडी फिल्म भूल भुलैया 3 को सिनेमाघरों में रिलीज हुए 18 दिन पूरे हो गए हैं और पहले दिन से ही इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर कब्जा किया हुआ है।हालांकि, हर गुजरते दिन के साथ फिल्म की दैनिक कमाई लगातार घटती जा रही है।अब भूल भुलैया 3 की कमाई के 18वें दिन के आंकड़े सामने आ गए हैं, जो अब तक का सबसे कम कारोबार है। बॉक्स ऑफिस ट्रैकर सैकनिल्क के मुताबिक, भूल भुलैया 3 ने रिलीज के 18वें दिन यानी तीसरे सोमवार को 1.65 करोड़ रुपये का कारोबार किया, जिसके बाद इसका कुल बॉक्स ऑफिस कलेक्शन 233.05 करोड़ रुपये हो गया है।भूल भुलैया 3 में कार्तिक की जोड़ी तृप्ति डिमरी के साथ बनी है। उनकी केमिस्ट्री को दर्शक खूब पसंद कर रहे हैं।माधुरी दीक्षित ने भी फिल्म में अपनी अदाकारी का तड़का लगाया है। उन्होंने विद्या की बहन का किरदार किया है। भूल भुलैया में आई फिल्म भूल भुलैया 3 2007 का तीसरा भाग है। इस फिल्म का सीक्वल 2022 में आया था, जो बॉक्स ऑफिस पर सुपरहिट साबित हुआ।हाल ही में फिल्म के निर्देशन ने बताया था कि इस फ्रेंचाइजी का चौथा भाग भी आएगा। इस फिल्म पर जल्द काम शुरू होगा। फिल्म की कहानी पहले से तैयार है।मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, भूल भुलैया 4 में अक्षय कुमार और कियारा आडवाणी की एंट्री हो सकती है।

लहंगा पहन ग्लैमरस लुक में नजर आईं सोफी चौधरी, एक्ट्रेस ने सिजलिंग अदाओं से ढाया कहर

बॉलीवुड एक्ट्रेस और सिंगर सोफी चौधरी अपने बोल्ड और ग्लैमरस लुक्स के कारण सोशल मीडिया पर लाइमलाइट बटौरती रहती हैं। उन्होंने ना अपनी एक्टिंग से बल्कि सिंगिंग से भी लोगों के दिल पर राज किया है। अब हाल ही में एक्ट्रेस सोफी चौधरी ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं। इन तस्वीरों में उनका हॉटनेस भरा अंदाज देखकर फैंस के होश उड़ गए हैं। एक्ट्रेस और सिंगर सोफी चौधरी हमेशा अपने फैशन स्टेटमेंट्स से फैंस का सारा ध्यान अपनी ओर खींचती रहती हैं। उनका हर एक लुक इंटरनेट पर आते ही तबाही मचाने लगता है। हाल ही में एक्ट्रेस सोफी चौधरी ने अपने लेटेस्ट लुक्स की तस्वीरें फैंस के बीच शेयर की हैं। इन फोटोज में उनकी बोल्डनेस और हॉटनेस देखकर फैंस अपने होश खो बैठे हैं। सोफी चौधरी के लेटेस्ट फोटोशूट में आप देख सकते हैं उन्होंने ब्लू कलर का सिंपल लहंगा पहना हुआ है, जिसमें उन्होंने ब्लू कलर का गोटेदार दुपट्टा कैरी किया है। गले में नेकलेस, कानों में इयररिंग्स और लाइट मेकअप कर के एक्ट्रेस सोफी चौधरी ने अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है। बता दें कि एक्ट्रेस सोफी चौधरी अपने हर एक से सोशल मीडिया पर बवाल मचाती रहती हैं। उनका हर एक लुक इंटरनेट पर आते ही तेजी से वायरल होने लगता है। सोफी चौधरी सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। इंस्टाग्राम पर उनकी फैन फॉलोइंग लिस्ट काफी जबरदस्त है।

बॉक्स ऑफिस पर सिंघम अगेन की हालत पस्त, 18वें दिन जुटाए इतने करोड़ रुपये

रोहित शेट्टी के निर्देशन में बनी फिल्म सिंघम अगेन से निर्माताओं के साथ-साथ दर्शकों को भी काफी उम्मीदें थीं, लेकिन यह शानदार शुरुआत के बाद से ही बॉक्स ऑफिस में दर्शक जुटाने के लिए संघर्ष कर रही है।इस फिल्म में अजय देवगन और अर्जुन कपूर समेत तमाम सितारों की फौज नजर आ रही है। इसके बावजूद यह अपनी लागत निकालने से अभी कोसों दूर है।आइए जानते हैं सिंघम अगेन ने 18वें दिन कितने करोड़ रुपये कमाए। बॉक्स ऑफिस ट्रैकर सैकनिल्क के मुताबिक,

सिंघम अगेन ने अपनी रिलीज के 18वें दिन यानी तीसरे सोमवार को 1 करोड़ रुपये का कारोबार किया, जिसके बाद इसका कुल बॉक्स ऑफिस कलेक्शन 231.85 करोड़ रुपये हो गया है।बता दें कि सिंघम, सिंघम 2, सिंबा और सूर्यवंशी के बाद सिंघम अगेन रोहित के कॉप यूनिवर्स की पांचवीं किस्त है, वहीं यह फिल्म साल 2011 में आई फिल्म सिंघम की तीसरी कड़ी है। इसका सीक्वल 2014 में आया था। सिंघम अगेन में अजय की जोड़ी अभिनेत्री करीना कपूर के साथ बनी है। रणवीर सिंह, दीपिका पादुकोण, टाइगर श्रॉफ और जैकी श्रॉफ जैसे सितारों ने भी फिल्म में अभिनय किया है। इसके अलावा फिल्म के अंत में सलमान खान और अक्षय कुमार का कैमियो भी है।सिंघम अगेन का बजट 350 करोड़ रुपये बताया जा रहा है। अजय और रोहित ने इस फिल्म का निर्माण मिलकर किया है।यह फिल्म 1 नवंबर को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी।

बॉक्स ऑफिस पर द साबरमती रिपोर्ट की दैनिक कमाई में गिरावट शुरू, जानें चौथे दिन का कारोबार

अभिनेता विक्रांत मैसी इन दिनों फिल्म द साबरमती रिपोर्ट को लेकर चर्चा में हैं। उनकी यह फिल्म बीते शुक्रवार 15 नवंबर को सिनेमाघरों में रिलीज हो गई है।फिल्म को समीक्षकों से मिली-जुली प्रतिक्रिया मिली है। हालांकि, विक्रांत की अदाकारी की चारों ओर सराहना हो रही है।पहले दिन फिल्म की शुरुआत काफी कमजोर रही, लेकिन वीकेंड पर इसकी कमाई में सुधार आया है।अब द साबरमती रिपोर्ट की कमाई के चौथे दिन के आंकड़े भी सामने आ गए हैं। बॉक्स ऑफिस ट्रैकर सैकनिल्क के मुताबिक, द साबरमती रिपोर्ट ने अपनी रिलीज के चौथे दिन यानी पहले सोमवार को 1.10 करोड़ रुपये का कारोबार किया, जिसके बाद इसका कुल बॉक्स ऑफिस कलेक्शन 7.45 करोड़ रुपये हो गया है।द साबरमती रिपोर्ट ने पहले दिन 1.25 करोड़ रुपये के साथ बॉक्स ऑफिस पर धीमी शुरुआत की थी, वहीं दूसरे दिन यह फिल्म 2.1 करोड़ रुपये कमाने में सफल रही। तीसरे दिन इस फिल्म ने 3 करोड़ रुपये कमाए थे। द साबरमती रिपोर्ट गुजरात के गोधरा कांड पर आधारित है।27 फरवरी, 2002 को साबरमती एक्सप्रेस अयोध्या से अहमदाबाद जा रही थी, जिसमें ज्यादातर हिंदू तीर्थयात्री सवार थे। इस ट्रेन के एक कोच में कुछ लोगों ने आग लगा दी थी और इस घटना में 59 लोगों की जान चली गई।इसके चलते पूरे गुजरात में सांप्रदायिक दंगे भड़क उठे थे। इस घटना और दंगों को हिंदी और अंग्रेजी मीडिया ने कैसे दिखाया, फिल्म इसी को दिखाती है।

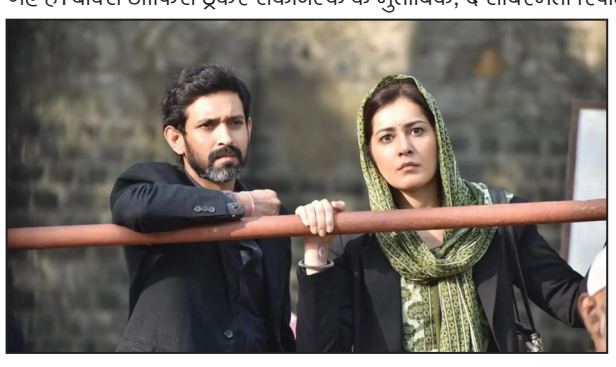

BJP President JP Nadda wrote a letter to Mallikarjun Kharge, raised questions on this issue

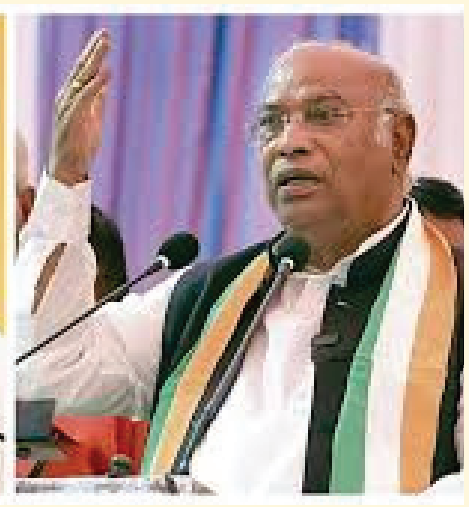

New Delhi: BJP National President JP Nadda has strongly reacted to the letter written recently by Congress President Mallikarjun Kharge to President Draupadi Murmu on the Manipur violence. Nadda wrote a letter to Kharge and alleged that the Congress is doing politics on the Manipur crisis. BJP President JP Nadda, while greeting Congress President Kharge, wrote that earlier this year, when Prime Minister Narendra Modi was talking about the issue of violence in Manipur, the way you and your party ignored this serious issue by walking out of the House was surprising to me. Now that you have written a letter to the President on Manipur, it is good to see that your party has expressed respect for the highest post of the Indian Constitution and the President Draupadi Murmu who occupies it. Nadda reminded the Congress of the failures of Congress governments in Manipur and other north-eastern states, especially during the 1990s and the UPA regime. He said the consequences of the failures of Congress governments are being seen in Manipur even today. In the last 10 years, under the leadership of Prime Minister Modi, our north-eastern region has seen a complete transformation in every sector. Be it economic development, security, health, education or access to development opportunities. The entire north-eastern region, including Manipur, is experiencing peace, prosperity and progress, which is happening for the first time since independence. Accusing the Congress of taking political advantage of Manipur's problems, he said that the Congress had unleashed a period of violence and instability in Manipur in the 90s. In 2011, there was a complete internal blockade in Manipur for 120 days. Petrol and LPG prices were four times higher than the rest of the country and crores of rupees were being lost every day. The Congress government at that time did not even try to raise the issue at the Centre, while the state administration was involved in thousands of fake encounters. On the contrary, the BJP government took prompt steps to handle the situation after the first incident of violence in Manipur. He said that both the Central and State governments worked together to immediately control the situation of violence and ensure the safety of the people. JP Nadda also launched a scathing attack on the Congress for legalising the illegal immigration of foreign militants in Manipur and making deals with them. He said that your government violated Indian security protocols and made deals with foreign militants. This is why violent militant organisations are trying to disrupt peace in Manipur and other areas. Nadda concluded his letter by accusing the Congress of colluding with foreign powers to stop India's progress. He said that this strategy of the Congress could be part of a deep conspiracy to stop the country's progress and we have the right to know why and how this is happening.

Call of life from the crematorium: Rohitash's amazing story and the punishment for doctors negligence

Jhunjhunu: An incident happened at the cremation ground of the district, which showed a wonderful amalgamation of human negligence and God's play. Orphan and mute Rohitash, who was declared dead by the doctors and taken to the pyre, suddenly started breathing while lying on the pyre. This incident is not only heart-wrenching, but also deeply hurts the failure of our system. 25-year-old Rohitash, who lived in Maa Seva Sansthan's shelter home in Bagad, was taken to Bhagwan Das Khetan Hospital in Jhunjhunu when his health deteriorated. Doctors in the hospital declared him dead within a few minutes.

body was kept in the mortuary for two hours and then taken to the crematorium. When people were busy preparing for the funeral, Rohitash, who was lying on the pyre, started breathing. Seeing the movement in his body, the hearts of everyone present there trembled. Panicked people rushed Rohitash to BDK Hospital again. From there, he was referred to SMS Hospital in Jaipur, but after a 12-hour long battle, he lost the battle of life. Following this shocking incident, three doctors—Dr. Yogesh Jakhar, Dr. Navneet Meel, and Dr. Sandeep Pachar—were suspended on charges of negligence. Dr. Yogesh was the first to declare Rohitash dead.

Dr. Navneet conducted the post-mortem of a living person. Meanwhile, PMO Dr. Sandeep tried to suppress the entire matter. This incident is not just the death of an orphan but also a question mark on our responsibilities towards society and the medical system.

Has a person's life become so cheap that he is kept in a mortuary and a postmortem report is prepared even when he is still alive? District Collector Ram Avtar Meena took immediate action in this case and suspended the guilty doctors. This step sends a strong message to prevent such incidents in future, but will it save precious lives like Rohitash's? Rohitash's story shakes us and forces us to think whether we have lost our sensitivity?

His death is not just the result of the negligence of doctors, but is a proof of the basic flaws of our system. Hopefully, this incident will emerge as a ray of hope for change.

Cold increased in Delhi, minimum temperature may reach 10 degrees Celsius

New Delhi: The India Meteorological Department (IMD) has predicted light fog in the national capital on Friday. IMD officials said the maximum temperature is likely to be 27 degrees Celsius and the minimum temperature is likely to be 10 degrees Celsius. The cold is increasing in Delhi NCR. The temperature is also continuously falling. Thursday was recorded as the coldest night of this season with 10.2 degrees Celsius. According to the India Meteorological Department, the temperature on Wednesday night was recorded at 11.2 degrees Celsius, while the minimum temperature on Tuesday night was 12.3 degrees Celsius, which was the second and third lowest temperatures of the season so far. According to the data, during this period, the temperature fell to 10.6 degrees Celsius in the year 2023 and 11.5 degrees Celsius in 2022. The maximum temperature in the city, wrapped in a blanket of fog and troubled by cold wind, was 27 degrees Celsius, which is 0.8 degrees below normal. According to the Meteorological Department, the humidity level during the day was between 80 to 64 percent. Delhi has become India's most polluted city, with an average PM 2.5 level of 243.3 micrograms per cubic metre and a 19.5 per cent increase in pollution week-on-week. According to the Air Quality Analysis Report of Respire Living Sciences, Delhi is at the bottom of the list of cities in terms of air quality at 281st place. Respire Living Sciences analyzed the level of PM 2.5 in 281 cities from 3 to 16 November. The main pollutant was PM 2.5. These are tiny particles with a diameter of 2.5 micrometers or less. This is roughly the width of a human hair. According to the Air Quality Early Warning System for Delhi, there has been a marginal drop in the minimum temperature in Delhi/NCR during the last 24 hours. The bulletin said that the maximum and minimum temperatures in Delhi were between 24 to 27 degrees Celsius and 8 to 12 degrees Celsius respectively. The maximum temperature remained close to normal and the minimum temperature was 1 to 2 degrees Celsius below normal at most places in the region. The bulletin further said that on Wednesday, the conditions were mainly light fog/mist during the day with winds blowing from northwest direction at a speed of 6 to 10 kmph and calm at night. According to the IMD, there was light fog at Safdarjung Airport on the morning of November 21. The lowest visibility of 600 meters was recorded at Safdarjung Airport from 7 am to 9 am, which improved to 700 meters at 9:30 am. In the afternoon, winds were blowing mainly from the southwest direction at a speed of less than 8 km per hour.

Woman and child died during operation, hospital administration absconding

Bharatpur: A heartbreaking case of negligence has come to light in Sanjeevani Hospital located in Kaman police station area of Deeg district of Bharatpur. Here a woman and her newborn child died during the operation. The family members allege that the hospital administration not only showed negligence but also charged 40 thousand rupees before the operation. After the incident, the hospital administration has absconded. A person named Bharat Lal told that his 26-year-old pregnant wife Santosh was taken to the government hospital in Kaman when she had stomach pain, from where she was referred to the Janana Hospital in Bharatpur. But on the suggestion of an acquaintance, Bharat Lal took his wife to Sanjeevani Hospital located on Jurhara Road. Here a person named Satish, claiming to be an MBBS doctor, assured him that a normal delivery would be done. In the evening, Satish and his team asked for 40 thousand rupees for the operation.

Bharat Lal immediately deposited 30 thousand rupees and paid the remaining 10 thousand rupees after the operation. After the operation, he was told that both the woman and the child are healthy. But after some time, he was informed that the child had died and the woman's condition was critical. Santosh was referred to Sampat Hospital in Haryana, but on reaching there the doctors told that the woman had died. After this, Santosh's family tried to contact Sanjeevani Hospital, but Dr. Satish's phone was found switched off. When the family reached the hospital, no staff was present there. The equipment inside the hospital was also missing. After the incident, Santosh's body was kept in the mortuary of Kaman Hospital. The police reached the spot and started investigating the case.

According to the family members, the hospital has been in the news earlier also for cases of negligence. In February, the medical department had sent a fake customer for investigation, in which Satish was found not to have a doctor's degree. Santosh is survived by his three-year-old son and a grieving family. The family has demanded justice and strict action against the culprits. Questions are being raised to the local administration and the medical department as to how this hospital was being run without a license and degree.

Mirapur by-election - Case filed against 28 named and about 120 unknown people for pelting stones on police

Muzaffarnagar: By-elections were held on November 20 on nine assembly seats in Uttar Pradesh. During the by-election in Mirapur assembly seat of Muzaffarnagar, stones were pelted on the police, the video of which went viral on social media. Now the police has taken action and registered a case under various sections against 28 named and about 120 unknown people. During the by-election for the Meerapur assembly seat, three policemen including the station in-charge were injured in stone pelting on policemen. Now in this case, on the orders of SSP Abhishek Singh, the police has started legal action by registering a case against 28 named and about 120 unidentified people under about 15 sections including rioting.

On the day of polling, there was a clash between supporters of Samajwadi Party and AIMIM party in Kakaroli village of Meerapur.

After this, angry people blocked the road. When Kakaroli police station in-charge Rajiv Sharma and police personnel tried to convince the people, the angry crowd started pelting stones at the police. During this, the video of Kakaroli police station in-charge Rajiv Sharma showing a pistol to calm the crowd also went viral on social media. Samajwadi Party national president Akhilesh Yadav also posted this video with 'X' and accused the administration of stopping voters from voting by threatening them with pistols. At the same time, local women allege that the police did not allow voters to go to the polling booth, due to which a dispute occurred. After this, stones were pelted on the police. Ravi Shankar Mishra said that the election process was being conducted as per the guidelines of the Election Commission, when during the by-election on the Meerapur assembly seat, information was received about a fight between two groups at the Kakarwali bus stand to get votes in their favour. A large number of police forces arrived and tried to convince the crowd, but people pelted stones and tried to block the road.

The police dispersed the crowd by using mild force and law and order was not allowed to deteriorate. He said that in this case, a case has been registered against 28 named and 100 to 120 unknown people under relevant provisions of the Indian Penal Code, Sections 109, 115, 121, 125, 131, 132, 190, 191, 223, 351 and 352. CCTV footage is being examined and eyewitnesses are being questioned. Appropriate action will be taken according to whatever facts emerge.

Border farmer Ashwani Kumar's strawberry changed his fortune, showed a new path to the farmers

Jammu: Farmer Ashwini Kumar of Dowal village, a border village in Khod block of Jammu and Kashmir, has shown a new direction to the farmers with his hard work and foresight. Farmer Ashwini has not only increased his income by adopting strawberry cultivation along with traditional farming, but has also become a source of inspiration for other farmers of the village. Ashwini Kumar's father Prabhat Chand used to do traditional farming in his ancestral fields, but Ashwin changed the farming techniques with the changing times and demand. He started strawberry farming last year, which has now become an example of success. In March this year, when his income from strawberry production more than doubled, he started cultivating it on a large scale. Now this crop in his fields has not only become his main source of income, but it is also a part of his identity. Ashwini says that modern technology and changes in farming are the need of the hour. Despite living in a border area, he has done many new experiments in strawberry farming and has got positive results. Seeing his success, now the women of the village and other farmers are also moving in this direction.

The possibility of more profit in less time in strawberry farming has attracted everyone. He told that the Horticulture Department is also helping the farmers a lot. The department has provided guidance to the farmers about strawberry farming from time to time. Farmers are informed about which medicine should be sprayed in which season and from where the seeds can be taken. Shrestha Kumari says that strawberry farming is very profitable in the economic sense. This has doubled the income of us farmers and whenever we need anything related to farming, the department people come and help us. We want more and more people to cultivate strawberries. HDO Amit Saraf of Horticulture Department Khod made the farmers aware about the schemes run by the government. He said that the government has started many schemes to help the farmers, by taking advantage of which the farmers of the border area can also increase their income.

Prostitution exposed

Sangrur: The business of prostitution is being seen openly these days. In Sangrur, a person made a video to expose this illegal business, which has now become a topic of discussion. This business was exposed with a sum of Rs 5000 for one night, and this video went viral on social media. There is a painful incident hidden behind this operation. The man's wife was beaten badly by the women traders while taking money. This incident was so serious that the man decided to teach them a lesson. After his wife was beaten, he conducted a sting operation to expose the illegal business of prostitution and made that video public. In this video, the women were seen openly running their business, taking money from customers and blackmailing them. The actions of these women sitting at the trading post were shameful, and such incidents are causing deep concern in the society.